छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 170 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 01 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

पहली बारिश नहीं झेल पाया 5 करोड़ की लागत से बना नहर

ग्रामीणों ने लगाया घटिया निर्माण का आरोप, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में जल संसाधन विभाग की भाला गिरवानी नहर परियोजना के तहत लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से बन रही कांक्रीट नहर पहली मूसलाधार बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो गया। निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही नहर टूटने से इसकी गुणवत्ता और निर्माण कार्य की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, जिस नहर से वर्षों तक भाला और विजयनगर क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद थी, वह पहली ही बारिश का दबाव नहीं झेल सकी। बारिश के बाद नहर का एक हिस्सा टूट गया, जिससे निर्माण कार्य में लापरवाही और घटिया गुणवत्ता की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने निर्माण स्थल पर विभाग के जिम्मेदार इंजीनियर नियमित रूप से मौजूद नहीं रहने का आरोप लगाया है। वहीं, ठेकेदार के तकनीकी कर्मचारी भी अधिकांश समय अनुपस्थित रहते थे, जिससे निर्माण कार्य की प्रभावी निगरानी नहीं हो सकी। ग्रामीणों और किसानों ने जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से नहर टूटने की तकनीकी जांच, निर्माण गुणवत्ता की निष्पक्ष समीक्षा और दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

किसानों ने पहले ही की थी शिकायत

किसान सरवन सोनी, इफ्तेखार खान, विनीत गुप्ता और रामकुमार धुर्वे ने बताया कि निर्माण शुरू होने के समय से ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से गुणवत्ता संबंधी शिकायतें दी थीं। इनका आरोप है कि निर्माण में मानक सामग्री का उपयोग नहीं किया गया और कंक्रीट की आवश्यक क्योरिंग (पटाई) भी सही तरीके से नहीं कराई गई।

तकनीकी जांच करने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है। यदि निर्माण की गुणवत्ता पर अभी ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में पूरी परियोजना प्रभावित हो सकती है और सरकारी धन की बर्बादी होगी।

कोर्ट ने 'पंकज बेक की पुलिस अभिरक्षा में मौत' मामले की पुनः जांच का दिया आदेश

न्यायालय अंबिकापुर के सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश ने 2019 के मामले में दिया आदेश

किसी प्रकार का अवरोध आने पर केस सीबीआई को सौंपने का विकल्प दिया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के बहुचर्चित पंकज बेक की पुलिस हिरासत में मौत के मामले में अंबिकापुर न्यायालय के सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश ने मामले की पुनः जांच के आदेश दे दिये हैं। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रकरण की जांच पुलिस अधीक्षक के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में किया जाए। निष्पक्ष विवेचना संभव नहीं होने या जांच में किसी प्रकार की अड़चन जैसी स्थिति में मामले की संपूर्ण जांच, विवेचना का काम सीबीआई को सौंपने कहा गया है। आदेश की प्रतिलिपि पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज को भेजने के निर्देश दिये गये हैं।

बता दें कि, अंबिकापुर कोतवाली पुलिस की हिरासत में 21 जुलाई 2019 को रहे सूरजपुर जिले के भटगांव थाना अंतर्गत ग्राम सलका-अधिना निवासी पंकज बेक पिता अमीर साय 21 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसे चोरी के एक मामले में पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में रखा गया था। इसके बाद उसकी लाश कलेक्टर बंगला रोड में स्थित एक निजी अस्पताल परिसर में फांसी पर लटकी मिली थी। पुलिस का कहना था कि पंकज बेक हिरासत से भागने के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया था। न्यायिक जांच रिपोर्ट में भी युवक की मौत का कारण एंटी मॉर्टम हैंगिंग बताया गया था। मामले में मृतक के स्वजन शुरु से ही पुलिस पर मारपीट, प्रताड़ना और हत्या का आरोप

लगा रहे थे। इलाके के लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन भी किया था। मामला तूल पकड़ने के बाद कोतवाली थाना के तत्कालीन प्रभारी विनीत दुबे के अलावा एसआई प्रियेश जॉन, मनीष यादव सहित पांच लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज करके सभी को निलंबित कर दिया था। इसके बाद विभागीय जांच, आपराधिक विवेचना जैसी कई कानूनी प्रक्रियाएं चली, और अग्रिम जमानत का लाभ आरोपितों को मिला था। लगभग सात वर्ष बाद आए जांच के न्यायालयीन आदेश के बाद 'पंकज बेक की पुलिस हिरासत में मौत' का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अदालत ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया है और पुलिस अधीक्षक के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में पुनः विवेचना कराने के निर्देश दिये गये हैं। जांच में किसी प्रकार का अवरोध आने जैसी परिस्थिति में प्रकरण को सीबीआई को सौंपने कहा गया है।

वर्ष 2019 में एक आदिवासी युवक, जो अघिना सलका गांव का रहने वाला था और अम्बिकापुर में रहकर इन्टरनेट सर्विस प्रोवाईडर कम्पनी में काम करता था, उसकी कस्टोडियल डेथ हुई। चोरी के शक में गिरफ्तार करके पुलिस ने 12-13 दिनों तक उसके साथ निर्दयता पूवर्क मारपीट की, इसके बाद पुलिस कस्टेडी में ही उसकी मौत हो गई। मेरी नजर में यह केस तथ्यों के अनुसार हत्या का मांमला है लेकिन पुलिस शुरू से ही दबाने, बचाने, मामले को खत्म करने में लगी रही। इसमें पुलिस सफल भी हो गई और खात्मा, खारिजी पेश कर दिया, इसे न्यायालय ने स्वीकार भी कर लिया। हमने रिवीजन फाइल किया। रिवीजन में सप्तम अपर सत्र न्यायाधीस के न्यायालय से ऐतिहासिक फैसला आया है, जिसमें पुनः जांच के आदेश दिए गए है। अगर पुलिस में जांच में अक्षम रहती है तो मामला सीबीआई को सौपने कहा है।

राजर्वधन सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता
जिला न्यायालय अंबिकापुर

नौगई में हुये तिहरे हत्याकांड की होगी सीबीआई जांच, शासन ने जारी की अधिसूचना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग के कोरिया जिले के सोनहत थाना क्षेत्र अंतर्गत नौगई में हुये तिहरे हत्याकांड की सीबीआई जांच के लिये शासन ने अधिसूचना जारी कर दी है। पीड़ित परिवार और क्षत्रिय समाज भी इस जघन्य हत्याकांड की सीबीआई से जांच की मांग कर रहा था। ग्राम नौगई में 16 जून की रात को भाजपा नेता भरत सिंह उर्फ लल्ला की कार में जलाकर और दो लोगों की फरसे से वार करके जघन्य हत्या कर दी गई थी, 2 गंभीर रूप से घायल हुए थे। वारदात को भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी और उसके परिवार के सदस्यों तथा साथियों द्वारा अंजाम दिया गया था। मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी जांच सीबीआई से कराने की वकालत की थी। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने 19 जुलाई तक सीबीआई जांच की घोषणा नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी थी।

सीबीआई जांच की उठ रही मांगों के बीच राज्य सरकार के गृह विभाग ने इस तिहरे हत्याकांड की सीबीआई जांच की मंजूरी दे दी है। इस संबंध में 30 जून को अधिसूचना जारी की गई है, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 (अधिनियम 25, सन 1946) की धारा 6 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोरिया जिले के सोनहत थाने में बीएनएस की धारा 126(2), 296, 351(3), 151(2), 3(5) तथा 190, 191(2), 191(3), 109, 324, 103(1), 326(जी) के तहत दर्ज अपराध के अनुसंधान हेतु दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों व क्षेत्राधिकार का विस्तार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में करने की सहमति प्रदान की जाती है। अधिसूचना जारी होने से अब मामले में पूरी पारदर्शिता की उम्मीद है। यह महत्वपूर्ण कदम इस जघन्य हत्याकांड के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने में सहायक होगा। केंद्रीय जांच एजेंसी स्वतंत्र रूप से इस पूरे संवेदनशील प्रकरण की गहन पड़ताल करेगी। इससे हत्याकांड के पीछे के वास्तविक कारणों का भी पता चल सकेगा। पीड़ित परिवारों में अब न्याय की एक नई आस जगी है। निष्पक्ष जांच से समाज में कानून के प्रति विश्वास बहाल होगा।

संक्षिप्त में यह था मामला

सोनहत थाना क्षेत्र में रेत खनन-परिवहन को लेकर हुये विवाद के बीच बीते 15 जून को मारपीट के बाद 16 जून की रात को कटगोड़ी एवं महलपारा बैकुंठपुर निवासी भरत कुमार सिंह उर्फ लल्ला सिंह अपने साथी योगेन्द्र सिंह, विरेन्द्र सिंह, मयंक सिंह एवं नागेन्द्र सिंह के साथ ग्राम नौगई गये थे। इस दौरान पुरानी रंजिश को लेकर मनोज त्रिपाठी के घर के सामने विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। यहां मनोज त्रिपाठी, निशांत त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी एवं अन्य व्यक्तियों ने भरत सिंह के फॉर्च्यूनर कार में पेट्रोल डालकर आग लगा दी और धारदार हथियार से हमला किया था। घटना में भरत सिंह की कार में ही जलकर मौत हो गई थी, जबकि शिक्षक नागेन्द्र सिंह एवं वीरेन्द्र सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। इसके बाद पीड़ित परिवार ने आरोपियों को फांसी देने और मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी।

मुख्यमंत्री ने उदयपुर एवं डूमरडीह को मिलाकर नगर पंचायत बनाने की घोषणा

रामगढ़ के विकास के लिये 1 करोड़ रुपये की सौगात, दो दिवसीय महोत्सव का समापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के रामगढ़ में आयोजित दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव 2026 का भव्य समापन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में हुआ। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को रामगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं और सफल आयोजन के लिए आयोजकों, जनप्रतिनिधियों, कलाकारों एवं क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रामगढ़ के विकास के लिए 1 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। वहीं क्षेत्रवासियों के मांग पर उदयपुर एवं डूमरडीह को मिलाकर नगर पंचायत बनाने की घोषणा की गई।

छह पहाड़ी कोरवा बच्चों को शाला प्रवेश कराया

मुख्यमंत्री ने मंच से 6 पहाड़ी कोरवा बच्चों का शाला प्रवेश कराया, टूरिज्म इन्फ्लूएंजर हुए सम्मानित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंच से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के जिले के 6 बच्चों का शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने बच्चों को तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर स्कूल बैग, वॉटर बॉटल सहित अन्य अध्ययन सामग्री प्रदान करके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वहीं 26 से 30 जून तक सरगुजा जिले में विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर स्पेशल डॉक्यूमेंट्री बनाने वाले टूरिज्म इन्फ्लूएंजर को प्रमाणपत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रामगढ़ महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपरा, प्रकृति पूजा और ऐतिहासिक विरासत का उत्सव है। उन्होंने कहा कि सरगुजा की यह पवित्र भूमि प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ आस्था, इतिहास और संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वेदों, पुराणों और उपनिषदों सहित अनेक प्राचीन ग्रंथों में रामगढ़ का उल्लेख मिलता है, जो इसकी ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाता है। मान्यता है कि त्रेतायुग में वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने इस भूमि पर समय व्यतीत किया था। सीताबेंगरा गुफा आज भी श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है। रामगढ़ की हवाओं और शिलाओं में रामायण की स्मृतियां जीवंत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीताबेंगरा गुफा भारत की सबसे प्राचीन नाट्यशालाओं में में एक है, जहां हजारों वर्ष पूर्व सांस्कृतिक आयोजन और नाट्य प्रस्तुतियां होती थीं। वहीं जोगीमारा गुफा अपनी प्राचीन भित्तिचित्र कला के लिए विश्वविख्यात है। हाथीपोल जैसी प्राकृतिक सुरंग तथा क्षेत्र में स्थित प्राचीन शिल्प हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास द्वारा मेघदूतम् की रचना इसी क्षेत्र में किए जाने का उल्लेख मिलता है, जिससे रामगढ़ का साहित्यिक महत्व और बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार रामगढ़, सीताबेंगरा और जोगीमारा जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक यहां की संस्कृति, इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित हो सकें। सीताबेंगरा, जोगीमारा गुफा पवित्र एवं सुंदर स्थान है। यह क्षेत्र सांस्कृतिक रूप से बहुत ही सुंदर है। रामगढ़ का उल्लेख हमारे देश के वेद पुराण उपनिषदों में मिलता है। उन्होंने कहा इसी भव्यता के साथ हर साल रामगढ़ उत्सव मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज रामगढ़ की पावन धरा पर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और गौरवशाली परंपराओं के प्रतीक रामगढ़ महोत्सव 2026 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में भव्य समापन हो रहा है। यह महोत्सव हमारी संस्कृति, कला, इतिहास और लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का सशक्त माध्यम है, जो हमारी गौरवशाली विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य कर रहा है। हमारी समृद्ध संस्कृति, लोककला और परंपराओं का अनुपम उत्सव का हिस्सा है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सभी को रामगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा यह महोत्सव 50 वर्ष से चल रहा है। ऐतिहासिक, पौराणिक एवं पुरातत्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

वसुधा महिला मंच ने गंगा देवी सिंह देव को दी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वसुधा महिला मंच की मासिक बैठक संरक्षिका डॉ. पुष्पा सोनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंच की संयोजिका वन्दना दत्ता ने आगामी आयोजनों की जानकारी दी।

धान बिक्री का बकाया भुगतान करने और फर्जी केसीसी ऋण को समाप्त करने की मांग

किसान नेताओं ने कलेक्टोरेट का घेराव करके आंदोलन तेज करने दी चेतावनी

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। बलरामपुर में मंगलवार को बड़ी संख्या में किसानों ने किसान नेता अमृत सिंह और नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। किसानों ने धान बिक्री की बकाया राशि का भुगतान और फर्जी किसान क्रेडिट कार्ड ऋण प्रकरण समाप्त करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन धरना और भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। किसानों ने ज्ञापन में बताया है कि वर्ष 2025-26 में धान बेचने के बावजूद उन्हें अब तक भुगतान नहीं मिला है। साथ ही, कई किसानों के नाम पर फर्जी केसीसी ऋण दर्ज होने से वे आर्थिक और मानसिक परेशानी झेल रहे हैं। किसानों ने बताया कि इन समस्याओं को लेकर 9 जून को भी ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद 17 जून से जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, रामानुजगंज शाखा के सामने पांच दिनों तक धरना और दो दिनों तक भूख हड़ताल की गई थी। आरोप है कि प्रशासन ने उस समय जल्द

समाधान का आश्वासन देकर आंदोलन समाप्त कराया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कहना है कि कई किसान गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं और उनके पास इलाज तक के लिए पैसे नहीं हैं। वहीं, साहूकारों से कर्ज लेकर खेती करने वाले किसान भी भारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। किसानों ने बताया कि उनकी धान बिक्री की 50 हजार से ढाई लाख रुपये तक की राशि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में लंबित है। किसान इसके लिये शपथ पत्र देने को तैयार हैं कि यदि भविष्य में किसी जांच में उनके दावे गलत साबित होते हैं, तो वे पूरी राशि वापस कर देंगे।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन, पुलिस रही तैनात

किसानों ने शासन से धान बिक्री की बकाया राशि तत्काल जारी करने और फर्जी केसीसी ऋण प्रकरण समाप्त करने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर कार्यालय परिसर में एहतियातन बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। किसानों ने शांतिपूर्ण ढंग से ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

फील्ड में उतरे अधिकारी, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को दें गति : कलेक्टर

★ सीएम जनदर्शन, जन शिकायत के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण के दिए निर्देश ★ पीएम आवास योजना के लंबित आवासों को मिशन मोड में पूर्ण करने पर जोर ★ सुघ्घर छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने शत-प्रतिशत सेचुरेशन के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, जनशिकायतों एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इस दौरान उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रत्येक पात्र हितग्राही को लाभान्वित करें। उन्होंने अधिकारियों को नियमित फील्ड मॉनिटरिंग बढ़ाने, जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के प्रकरण, सीएम जनदर्शन, पीजी पोर्टल एवं जन शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि लंबित प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निराकरण में गंभीरता बरतें शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सुशासन तिहार के लंबित आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश भी दिए।

सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वय के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने शत-प्रतिशत सैचुरेशन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई से 31 जुलाई तक बेसलाइन सर्वे के माध्यम से 31

जनकल्याणकारी योजनाओं की गैप फिलिंग की जाएगी। उन्होंने जिला एवं विकासखंड स्तरीय समितियों को प्रशिक्षण देकर निर्धारित समय-सीमा में सर्वे पूर्ण करने तथा प्रत्येक पात्र हितग्राही को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं समिति निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें ताकि शासन की सुघ्घर छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को धरातल पर सफलतापूर्वक साकार किया जा सके। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ को नियमित फील्ड विजिट कर आवास निर्माण में तेजी लाने तथा लंबित आवासों को मिशन मोड में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवासों की जियो टैगिंग कर शीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने पीएम जनमन आवास तथा स्पेशल प्रोजेक्ट आवास की समीक्षा कर अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी लेते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करते हुए पात्र हितग्राहियों को ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंकों के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। बैठक में खाद-बीज की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने समितिवार स्थिति की जानकारी लेते हुए डबल लॉक में भंडारित खाद का अधिक से अधिक आरओ एवं डीडी जमा कर खाद का उठाव करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र किसानों को लाभान्वित करने को कहा। संभावित अल-नीनो की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सभी विभागीय अधिकारियों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि संभावित प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके। बैठक में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी संकेतकों में सुधार लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने एएनसी पंजीयन एवं एनआरसी के प्रभावी संचालन के निर्देश देते हुए महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य कर निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री प्रमोद गुप्ता, श्री आर.एन. पाण्डेय, सर्व अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कॉलरी कर्मी विजय सिंह समेत अठारह हुए सेवानिवृत्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर प्रशासन के फिल्टर प्लांट सिविल विभाग अंतर्गत कार्यरत इलेक्ट्रीशियन विजय कुमार के आज सेवानिवृत्ति पर सहकर्मियों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान उनके दोनों पुत्र, पुत्री भी उपस्थित थे। विदाई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फोरमैन अरविंद सिंह ने कहा कि विजय सिंह का 35 वर्षों का कार्यकाल बेदाग रहा और वे कार्य को लगन एवं निष्ठा से करते थे। सरोज सिन्हा एवं परमजीत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सेवानिवृत्त कर्मचारी विजय सिंह ने भी अपने सेवाकाल का अनुभव सहकर्मियों के बीच साझा किया। कार्यक्रम का संचालन फोरमैन महेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सूर्यबली, रामदुलार, प्रविंद्र शर्मा, हरिद्वार, निखिल रंजन, अजय साहू, महेश राम, सुल्तान अहमद, संजय सिंह, होमदास, पारस राजवाड़े, उपेंद्र सिंह, विजय कुमार, रामजी यादव, पुरनचंद,

संतोष जायसवाल, अशोक जायसवाल व अन्य सहकर्मी उपस्थित थे। बिश्रामपुर क्षेत्र के विभिन्न यूनिट में कार्यरत अन्य 17 कोल कर्मी भी मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए हैं, जिनमें अशर्फी राम, कन्हैया लाल, काली राम पुहुप, समेलाल, आजाद, अमर साय, रन साय, मनोहर, रामनारायण, कमल कुमार घोष, राकेश कुमार शर्मा, शिवभजन, रामलाल सिंह, कमलेश चंद्र पांडेय, जयधन, महेंद्र कुमार लांडे, श्याम जी, हीरालाल शामिल हैं। जिन्हें भी यूनिट स्तर पर विदाई समारोह आयोजित कर विदाई दी गई।

सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत 31 जनकल्याणकारी योजनाओं से किया जाएगा शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन के सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं के शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले में जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय समितियों का गठन किया है। अभियान के तहत जिले में 31 जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों का बेसलाइन सर्वेक्षण कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा।

अभियान के तहत 1 जुलाई 2026 को प्रात: 11 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय समिति एवं मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। 2 से 5 जुलाई 2026 तक जनपद स्तर पर सर्वेक्षण दलों का गठन एवं प्रशिक्षण होगा। 6 से 9 जुलाई तक मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सर्वेक्षण दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। 10 से 31 जुलाई तक ग्राम पंचायत स्तर पर 31 योजनाओं के हितग्राहियों का बेसलाइन सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण पूर्ण होने के बाद 1 से 10 अगस्त तक आंकड़ों की प्रविष्टि एवं गैप विश्लेषण किया जाएगा।

नपं शिवनंदनपुर को मिली एसएलआरएम सेंटर और मुक्तिधाम निर्माण की सौगात

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर के विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में शासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगर पंचायत शिवनंदनपुर को बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए 1 करोड़ 60 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से नगर में आधुनिक एसएलआरएम सेंटर तथा एक सुव्यवस्थित मुक्तिधाम का निर्माण कराया जाएगा। नपं अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने बताया कि शासन द्वारा जारी स्वीकृति के अनुसार एसएलआरएम सेंटर निर्माण के लिए 65 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। इस केंद्र के निर्माण से नगर में ठोस एवं तरल अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन की व्यवस्था विकसित होगी। इससे कचरे का बेहतर संग्रहण, पृथक्करण और

निस्तारण संभव होगा, जिससे स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि

इसके अलावा नगर पंचायत में लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को देखते हुए मुक्तिधाम निर्माण के लिए 95 लाख रुपए की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त मुक्तिधाम बनने के बाद अंतिम संस्कार के दौरान लोगों को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी और वर्षों से चली आ रही असुविधाओं से राहत मिलेगी।लोगों का मानना है कि नवगठित नगर पंचायत बनने के बाद यह पहली बड़ी विकासात्मक सौगात है। इन दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल नगर की आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी, बल्कि स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधायुक्त नगर के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

नगरवासियों ने उम्मीद जताई है कि स्वीकृत राशि से निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होगा और तय समय-सीमा में पूरा कर आम जनता को इसका लाभ मिलेगा। विकास कार्यों की इस पहल से शिवनंदनपुर में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा।

बर्थडे पार्टी के बाद बीच सड़क पर रास्ता रोककर मारपीट, जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बर्थडे पार्टी से लौट रहे युवाओं के साथ कथित तौर पर कुछ कार सवार युवकों ने रास्ता रोककर मारपीट कर दी है। घटना में एक युवक के सिर में चोट आई है, जबकि कार का आगे का शीशा भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। पीड़ित पक्ष ने मामले की शिकायत जयनगर थाने में दर्ज करा दी है। जयनगर पुलिस ने बताया कि प्रार्थी 23 वर्षीय इबादत कुजूर निवासी कुसमी हाल मुकाम सुभाषनगर वी कॉलोनी गांधीनगर अंबिकापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 29 जून की शाम वह अपने दोस्तों कुनाल सिंह, दानिश अंसारी, सूर्यवीर सिंह, संतोषी प्रजापति और साक्षी बेक के साथ दोस्त कुनाल सिंह का जन्मदिन मनाने के लिए ग्राम मोरभंज स्थित ट्री हाउस कैफे गया था। शाम करीब 7.30 बजे जन्मदिन समारोह समाप्त होने के बाद सभी लोग टाटा नेक्सॉन कार क्रमांक सीजी 30 जी 8696 से वापस लौटने के लिए वाहन में बैठ रहे थे। इसी दौरान एक कार क्रमांक सीजी 15 ईएल 2201 वहां पहुंची। कार सवार युवकों ने पहले अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए रास्ते से हटने को कहा। जब पीड़ित पक्ष वहां से निकलने लगा तो आरोपियों ने अपनी कार आगे लगाकर उनका रास्ता रोक लिया।

रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने सभी युवकों के साथ अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। जब दानिश अंसारी ने इसका विरोध किया तो आरोपी कार से उतर आए और हाथ में पहने कड़े से टाटा नेक्सॉन का आगे का शीशा तोड़ दिया। इसके बाद दानिश अंसारी को कार से खींचकर मारपीट की गई। साथ ही संतोषी प्रजापति को भी वाहन से बाहर निकालने का प्रयास किया गया। आरोप है कि जब अन्य साथियों ने बीच-बचाव किया तो आरोपियों ने इबादत कुजूर और कुनाल सिंह के साथ भी हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे कुनाल सिंह घायल हो गया और उसके सिर में गंभीर चोट आई है। घटना के दौरान सूर्यवीर सिंह, संतोषी प्रजापति और साक्षी बेक ने बीच-बचाव कर किसी तरह विवाद को शांत कराया। घटना के बाद प्रार्थी इबादत कुजूर ने थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में किया गया स्वच्छता पखवाड़ा रैली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में मंगलवार को प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को अपने अगल-बगल स्वच्छ वातावरण बनाने एवं प्लास्टिक जैसी वस्तुओं के प्रयोग से बचने का संदेश दिया गया। वरिष्ठ अध्यापिका एवं आदित्य सदन प्रभारी अर्पणा मिश्रा के मार्गदर्शन में आदित्य सदन के विद्यार्थियों आन्या सिंह, काव्या सिंह, अदिति कुमारी, नैंनसी, ऋषिका सिंह मंदाकिनी विश्वास, विनायक मिश्रा, ईशरजोत सिंह बग्गा, समृद्ध पांडेय व जीत विश्वास द्वारा नगर के बस स्टैंड में सिंगल यूज प्लास्टिक को न कहें नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जनमानस को स्वच्छता अपनाने, वातावरण को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक की थैली का प्रयोग न कर कपड़े की थैली या कागज का ठोंगा प्रयोग करने, प्लास्टिक की थैली का दुष्प्रभाव एवं स्वच्छता के प्रति हमेशा जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों ने अलग अलग दुकानों के दुकानदारों को हस्त निर्मित कागज का ठोंगा देकर उन्हें जागरूक किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती ने कहा कि हमें अपने आस-पास के वातावरण को हमेशा स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना चाहिए। हमारे उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ वातावरण नितांत आवश्यक है। स्वच्छता ईश्वर की सेवा के समान है का संदेश जन-जन तक पहुंचाकर स्वस्थ और सुंदर समाज निर्माण में हम सभी को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। सार्वजनिक एवं शारीरिक स्वच्छता के साथ ही जल, वायु और भूमि आदि की भी रक्षा की जा सकती है। आयोजन को सफल बनाने में सांस्कृतिक प्रभारी विमान घोष, वरिष्ठ अध्यापक पीके वैद्य, रामजी सिन्हा, नीलम पांडेय, चित्रावती मिश्रा एवं काकोली मुखर्जी सहित सभी विद्यालय परिवार सक्रिय रहे।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने ली पुनर्वास निति के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक

★ मुख्यधारा से जुड़ेंगे आत्मसमर्पित नक्सली ★ प्रभावित परिवारों को मिलेगा योजनाओं का लाभ ★ पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से उपलब्ध कराने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर की उपस्थिति में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुनर्वास नीति-2025 के तहत प्रत्येक पात्र हितग्राही तक शासन की योजनाओं का लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पहुंचाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य आत्मसमर्पित नक्सलियों का सम्मानजनक पुनर्वास कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को संबल प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पित एवं नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों, जिनकी संपत्ति अथवा आजीविका के साधनों को क्षति पहुंची है, उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने संबंधित सभी विभागों को

आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे।

पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने बताया कि इस नीति का उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारों को राहत प्रदान करना तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि नीति के अंतर्गत नक्सली हिंसा में मृत व्यक्तियों के परिजन, आत्मसमर्पित नक्सली, नक्सली हिंसा में घायल आम नागरिक तथा जिनकी संपत्ति को क्षति पहुंची है, ऐसे प्रभावित परिवारों को पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जाना है। उन्होंने बताया कि जिले में ऐसे 92 प्रकरण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें पात्र हितग्राहियों को पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर. एस. लाल एवं संबंधित सदस्य उपस्थित रहे।

शिवनंदनपुर का भाजपा मंडल स्तरीय डीएलपी प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के निर्देशानुसार शिवनंदनपुर मंडल का मंडल स्तरीय एक दिवसीय डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम प्रशिक्षण ग्राम पंचायत जयनगर के बिंझिया सामुदायिक भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता व अतिथि

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा थीं। अन्य अतिथियों में देवधन राम बिंझिया, ललित गोयल, डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम प्रभारी संत सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े, सुरजपुर जनपद उपाध्यक्ष मनमत बछाड़, डीएलपी सह प्रभार राहुल साहा उपस्थित थे। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े ने दिया। डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के प्रभारी संत सिंह ने कार्यकर्ताओं को बताया कि किस प्रकार से हम अपने मोबाइल में इस ऐप के जरिए डिजिटल प्रशिक्षण कैसे प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम को देवधन राम बिंझिया व ललित गोयल ने भी संबोधित किया। अंत में मुख्य वक्ता व जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता इस डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम को अपनी मोबाइल में ऐप द्वारा प्रशिक्षण को पूरा करेंगे। इस दौरान दिलीप समद्दार, महेश जायसवाल, मंडल महामंत्री देवशरण सिंह, विवेक जायसवाल, श्यामू साहू, मालती विश्वास, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अंकित दूबे, संजू टेकाम, नेपाल समद्दार, बंटेश्वर सारथी, बुलचू राजवाड़े, कृष्णपाल बिंझिया, शांतनु सिंह, नंदकुमारी राजवाड़े, मनियारो राजवाड़े, सुनीता राय, पार्षद वर्षा जायसवाल, देवंती सिंह, मोनिका शर्मा, रीता भगत, सपना पंडो, गणेश राजवाड़े, घलूम सिरदार, राजेन्द्र प्रसाद, नितिन सोनी, विजय कुर्रे, ब्रम्हदेव बिंझिया, नरेंद्र प्रजापति, मित्तल पांडेय, पिंकी कुशवाहा, शिवानंद सिंह, सोहन सारथी, बलिंदर सारथी, सत्यनारायण सारथी, राजेंद्र सारथी, रमेश कुमार, राम प्रताप सोनवानी, नंदलाल सिंह मरावी, गुरु रंजन राय, सूरज कुशवाहा, नोहर साय, अंगद प्रसाद, अनिल कुमार, डलेश्वर प्रसाद, शोभित राम, रामाधार राजवाड़े, अनिल कुमार कुशवाहा, दुलार राजवाड़े व अन्य उपस्थित थे।

खोड़ उपस्वास्थ्य केंद्र में स्टॉप की कमी, प्रभावित हो रही स्वास्थ्य सेवाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

ओडगी। ब्लॉक मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत खोड़ के उपस्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र में पदस्थ कर्मचारियों की संख्या पहले से ही कम है और जो कर्मचारी तैनात हैं, वे भी नियमित रूप से ड्यूटी पर नहीं आते। इससे मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लक्ष्मण सिंह अध्यक्ष ग्राम सभा ने आरोप लगाया कि केंद्र में मौजूद कुछ कर्मचारियों का व्यवहार मरीजों और उनके परिजनों के प्रति ठीक नहीं है। उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग करने और लोगों से उचित तरीके से बात नहीं करने की शिकायत ग्राम सभा में की है। उपस्वास्थ्य केंद्र में चार कर्मचारियों की पदस्थापना है, लेकिन कई बार केंद्र लगभग खाली रहता है। प्रसूता महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि प्रसव के बाद महिलाओं को नियमानुसार कम से कम तीन दिन तक स्वास्थ्य केंद्र में रखकर देखभाल की जानी चाहिए, लेकिन वर्तमान में इस व्यवस्था का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे प्रसूताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर असर पड़ने की आशंका बनी रहती है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु उठाए जाएंगे आवश्यक कदम

मामले को बीएमओ विजय चौहान ने कहा कि शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है। पूरे मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर यदि कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों को भरोसा दिलाया गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

एनएमएमएस छात्रवृत्ति परीक्षा में पीएमश्री सेजेस की दो छात्राओं का चयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। पीएमश्री शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) रामानुजनगर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय साधन-सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर विद्यालय, क्षेत्र एवं अपने अभिभावकों का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय की छात्रा दीक्षा गुप्ता, पिता सुरेश गुप्ता तथा छात्रा सुहानी पैकरा, पिता सुनील कुमार पैकरा का चयन इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति परीक्षा में हुआ है। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का उत्कृष्ट परिणाम है। रामानुजनगर के केंद्र प्रभारी गोपाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय साधन-सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली द्वारा संचालित की जाती है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कक्षा 8वीं के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रतिवर्ष 12,000 अर्थात 1,000 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विद्यालय के प्राचार्य पी.सी.सोनी ने चयनित दोनों छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और यह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। उन्होंने माध्यमिक विभाग के प्रधान पाठक लोमेश कुमार सिन्हा की भी सराहना करते हुए कहा कि उनकी सुनियोजित रणनीति, प्रभावी कार्ययोजना एवं समर्पित मार्गदर्शन के कारण विद्यार्थियों ने यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी पीएमश्री सेजेस रामानुजनगर के विद्यार्थी शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करते रहेंगे।

नपं जरही के एसटीपी प्लांट का कोरोंधा के ग्रामीणों ने किया विरोध, ग्राम की भूमि में निर्माण पर उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। नगर पंचायत के प्रस्तावित एसटीपी को ग्राम पंचायत कोरोंधा में स्थापित किए जाने की तैयारी का ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया है। इस संबंध में कोरोंधा के ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार है नगर पंचायत जरही में एसटीपी प्लांट लगाने की योजना आई हुई है जिसके लिए नगर पंचायत के द्वारा कोरोंधा ग्राम पंचायत की भूमि पर एसटीपी प्लांट लगाने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन कोरोंधा गांव के लोगों ने इस एसटीपी प्लांट का विरोध किया है। ग्रामीणों का कहना है कि नगर पंचायत जरही के योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए नगर पंचायत जरही की भूमि का उपयोग किया जाए ग्राम पंचायत की कोरोंधा की भूमि ग्राम के विकास के कार्यों के काम आएगी। आरोप है कि नगर पंचायत क्षेत्र की शासकीय जमीनों पर से तेजी से अतिक्रमण होता रहा, लेकिन उन्हें हटाने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष के संरक्षण में शासकीय जमीनों पर कब्जा जारी है, जिसके कारण अब नगर पंचायत की योजनाओं के लिए दूसरे गांव की भूमि का चयन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नायब तहसीलदार कार्यालय द्वारा कोरोंधा ग्राम में एसटीपी निर्माण के लिए इश्तिहार जारी किया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने प्रशासन से इस प्रक्रिया पर रोक लगाने तथा ग्राम पंचायत की भूमि पर एसटीपी का निर्माण नहीं किए जाने की मांग की।

मेरे पुत्र की मौत हादसा नहीं, हत्या है साहब, दिव्यांग पिता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम कोट में 20 वर्षीय युवक की मौत के मामले में मृतक के दिव्यांग पिता ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और हत्या का अपराध दर्ज करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है और विवेचना की जा रही है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक के पिता 60 वर्षीय अमरसाय ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि 22 जून की रात उनका 20 वर्षीय पुत्र भीम सिंह घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान गांव का एक युवक मोटरसाइकिल से पहुंचा और उसके साथ विवाद करते हुए मारपीट करने लगा। शोर सुनकर एक अन्य व्यक्ति भी मौके पर पहुंच गया। शिकायत के अनुसार दोनों ने मिलकर भीम सिंह के साथ मारपीट की और बाद में उसे जबरन बाईक पर बैठाकर गांव के ही एक तीसरे व्यक्ति के घर ले गए। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि वहां लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद घटना को छिपाने के उद्देश्य से करंट लगने से मौत होने का रूप देने की कोशिश की गई। पीड़ित पिता का कहना है कि वे वृद्ध और दिव्यांग हैं। उन्होंने 25 जून को थाना सूरजपुर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने की बात कहते हुए एफआईआर दर्ज नहीं की। उनका आरोप है कि अब तक किसी भी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे गांव को घटना की जानकारी है और यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी। इधर पुलिस का कहना है कि युवक की मौत के मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्य और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। जानकारी के अनुसार जिस तार में युवक का शव मिला, वह कथित रूप से झटका मशीन का कनेक्शन था। ऐसे में कई सवाल उठ रहे हैं कि क्या झटका मशीन के करंट से किसी व्यक्ति की मौत हो सकती है। यदि तारों में जानलेवा करंट था, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है और इसकी जांच कैसे की जा रही है। मामले में पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

गौठान की 10 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण का आरोप, जांच व कार्रवाई की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिहारपुर। जिले के ओड़गी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत बेदमी में गौठान की लगभग 10 एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि भू-माफियाओं की नजर इस भूमि पर है और लगातार कब्जे की कोशिशें की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित भूमि में खसरा नंबर 255 का प्लॉट शामिल है, जिसमें कुछ हिस्सा राजस्व विभाग की भूमि तथा कुछ हिस्सा वन भूमि का है। ग्रामीणों के अनुसार इस मामले को लेकर करीब एक वर्ष पहले बीडीसी प्रतिनिधि चंद्रभान राजवाड़े ने प्रशासन के समक्ष अतिक्रमण रोकने की पहल की थी। इसके बावजूद स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ और अब फिर से जमीन पर कब्जे की गतिविधियां तेज होने हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो सरकारी भूमि पर अतिक्रमण लगातार बढ़ता जाएगा। ग्रामीणों ने दो लोगो का नाम लेते हुए आरोप लगाया है कि उनके द्वारा भूमि पर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि प्रशासन की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ग्रामीण अवधेश गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर धड़ल्ले से अतिक्रमण हो रहा है। यदि जल्द ही इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में सरकारी उपयोग की जमीन बचाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने मांग की कि तहसीलदार और वन विभाग की संयुक्त टीम मौके का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच तथा तथ्यों के आधार पर प्रकरण दर्ज करते हुए दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि गौठान, राजस्व और वन भूमि की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए।

मामले की जांच कर की जाएगी कार्रवाई

तहसीलदार चंद्रशिला जायसवाल ने कहा, यह मामला हमारे संज्ञान में आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह प्रकरण वन विभाग और जनपद पंचायत से भी संबंधित है। यह भी जानकारी मिली है कि संबंधित भूमि पर आवास योजना के तहत मकान का निर्माण किया जा रहा है। फिलहाल मैं अवकाश पर हूं। अवकाश से लौटने के बाद पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मना कौशलपुर का संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। कौशलपुर का संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला रामानुजनगर में धूमधाम से मनाया गयो सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन किया गयो कक्षा पहली, कक्षा छठवीं एवं कक्षा नवमी के नव प्रवेशी बच्चों को चंदन तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाकर पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश का वितरण किया गयो जनपद सदस्य श्रीमती चंद्रकला उपाध्याय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी कों प्रतिदिन शाला आने की अपील की, शाला प्रबंध समिति अध्यक्ष बीना गुप्ता ने सभी छात्रों से खूब मेहनत करने, शिक्षकों और पालकों से अपनी समस्याओं को बताने तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी कार्यक्रम कों सरपंच रामानुजनगर राम सिंह, नकना सरपंच सुंदर सिंह, सरई पारा सरपंच विजय सिंह, कौशलपुर सरपंच पीयूष सिंह, उप सरपंच दशरथ गुप्ता, उप सरपंच जयप्रकाश उपाध्याय ने भी सम्बोधित कियो स्वागत उद्बोधन व्याख्याता रहमान खान एवं आभार संकुल प्राचार्य कामता प्रजापति ने व्यक्त कियो कार्यक्रम का संचालन विनय चौरसिया ने किया,

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पुलिस का जागरूकता अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर थाना रघुनाथनगर पुलिस ने जनजागरूकता का अनोखा अभियान छेड़ा है। स्कूल, कॉलेज और हाट-बाजारों में 'चलित थाना' लगाकर पुलिस लोगों को लौह पुरुष सरदार पटेल की जीवनी और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों से रूबरू करा रही है। यह विशेष अभियान जून से 31 अक्टूबर 2026 तक हर माह चलेगा। इसी क्रम में थाना रघुनाथनगर पुलिस द्वारा क्षेत्र के स्कूलों, कॉलेजों एवं हाट-बाजारों में चलित थाना लगाकर आम नागरिकों को सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रेरणादायक जीवन एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण, एकता एवं अखंडता में दिए गए योगदान की जानकारी दी गई। साथ ही भारतीय न्याय संहिता के प्रमुख प्रावधानों, नए आपराधिक कानूनों में हुए महत्वपूर्ण बदलावों, नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों तथा कानून का पालन करने के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान थाना रघुनाथनगर पुलिस द्वारा आमजन की समस्याएँ भी सुनी गईं तथा उनके यथासंभव निराकरण का प्रयास किया गया। इसके अतिरिक्त साइबर अपराधों से बचाव, महिला एवं बाल सुरक्षा, यातायात नियमों का पालन तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया गया। थाना रघुनाथनगर क्षेत्र में आयोजित इस जनजागरूकता अभियान में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, ग्रामीणों एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की तथा पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहितकारी बताया।

युवा नेतृत्व पर भाजपा का भरोसा, संस्कार को बनाया गया डीएलपी रायपुर संभाग का सह प्रभारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संगठन में दायित्व केवल पद नहीं होता, बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुशासन और कार्यकताओं के बीच अर्जित विश्वास का परिणाम भी होता है। भाजपा ने एक बार फिर युवा नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए युवा मोर्चा के सक्रिय कार्यकर्ता संस्कार अग्रवाल को डीएलपी अभियान के तहत रायपुर संभाग का संभागीय सह प्रभारी नियुक्त किया है। नई जिम्मेदारी मिलने के साथ ही संगठन में उनका कद भी बढ़ा है। भाजपा द्वारा सरल ऐप डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के प्रभावी संचालन के लिए यह दायित्व सौंपा गया है। 6 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत पार्टी के विभिन्न मोर्चों के मंडल, शक्ति केंद्र तथा बूथ स्तर के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि संगठन की कार्यशैली, विचारधारा और कार्यपद्धति को जमीनी स्तर तक और अधिक सशक्त बनाया जा सके। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय तथा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के मार्गदर्शन में, जबकि भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया के नेतृत्व में संस्कार को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। अपनी नई भूमिका में वे रायपुर संभाग के विभिन्न जिलों के मंडलों, शक्तिकेंद्रो व बूथों का दौरा कर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समन्वय, संचालन और मार्गदर्शन का कार्य संभालेंगे। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि संस्कार ने पिछले कुछ वर्षों में युवा मोर्चा के विभिन्न अभियानों और संगठनात्मक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय भागीदारी निभाई है। कार्यकताओं से सतत संवाद, टीम भावना और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए ही उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसे उनके राजनीतिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ साथ जिले के कार्यकताओं के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। भाजपा कार्यकताओं ने विश्वास व्यक्त किया है कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता के बल पर प्रशिक्षण महाभियान को बूथ स्तर तक सफलतापूर्वक पहुंचाएंगे। पार्टी का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से कार्यकताओं को अधिक दक्ष, जागरूक और संगठित बनाना भी है। युवा नेतृत्व को लगातार अवसर देकर भाजपा ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि संगठन में समर्पण, सक्रियता और निरंतर कार्य करने वालों को समय पर उचित जिम्मेदारी अवश्य मिलती है।

सम्पादकीय

अब देश में ही पूरा होगा विदेशी डिग्री का सपना

देश में उच्च शिक्षा के नए दौर की शुरूआत हो रही है। केंद्र सरकार द्वारा 15 प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की मंजूरी देना केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत है। लंबे समय से लाखों भारतीय छात्र बेहतर शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय डिग्री के लिए विदेश जाने को मजबूर रहे हैं। अब वही अवसर देश के भीतर उपलब्ध होंगे। इससे न केवल छात्रों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। हर वर्ष लाखों भारतीय छात्र अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोप के अन्य देशों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं। इस प्रक्रिया में करोड़ों डॉलर की विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाती है। विदेश में पढ़ाई का कुल खर्च कई बार 80 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंच जाता है, जो अधिकांश परिवारों की पहुंच से बाहर होता है। ऐसे में यदि वही डिग्री, वही पाठ्यक्रम, वही मूल्यांकन प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी भारत में ही उपलब्ध हो जाए, तो यह लाखों छात्रों के लिए सुनहरा अवसर होगा। सरकार ने जिन विश्वविद्यालयों को मंजूरी दी है, उनमें यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, ब्रिस्टल, यॉर्क, लिवरपूल, इलिनोइस टेक और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। इन विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का स्तर उनके मूल कैंपस के अनुरूप होगा। पाठ्यक्रम, परीक्षा, मूल्यांकन और डिग्री में कोई अंतर नहीं रखा जाएगा। यही नहीं, छात्रों को एक या दो सेमेस्टर विदेशी कैंपस में पढ़ने का अवसर भी मिलेगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उस सोच को भी मजबूत करती है, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि इस फैसले के साथ कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या विदेशी विश्वविद्यालय भारत में भी अपने मूल कैंपस जैसी गुणवत्ता बनाए रख पाएंगे? इसलिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अन्य नियामक संस्थाओं को नियमित निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। फैकल्टी, शोध सुविधाएं, प्रयोगशालाएं, प्लेसमेंट और शैक्षणिक मानकों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। दूसरी चुनौती फीस को लेकर भी है। भले ही विदेश की तुलना में पढ़ाई का खर्च 30 से 40 प्रतिशत कम होगा, लेकिन यह अभी भी देश के अनेक विद्यार्थियों के लिए महंगा हो सकता है। इसलिए छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और वित्तीय सहायता की मजबूत व्यवस्था जरूरी होगी। सरकार और विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्र केवल फीस के कारण इन संस्थानों से वंचित न रहें। इस निर्णय का एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। यदि आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में छात्र विदेश जाने के बजाय भारत में ही पढ़ाई करेंगे, तो विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत होगी। भारत केवल छात्रों का सबसे बड़ा स्त्रोत देश नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय शिक्षा का आकर्षक गंतव्य भी बन सकता है। विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खुलना भारतीय शिक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। इससे लाखों छात्रों का विदेशी डिग्री हासिल करने का सपना अपने ही देश में पूरा हो सकेगा। साथ ही ब्रेन ड्रेन में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत, वैश्विक स्तर की शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर जैसे अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

मुद्दा
मनोज कुमार अग्रवाल

मध्य प्रदेश में उज्जैन जिले के बड़नगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान क्रेन से करीब 40 फीट ऊपर लटकाई गई एक वैन में हुए विस्फोट जैसे प्रदर्शन ने सुरक्षा व्यवस्था, धार्मिक आयोजनों की मर्यादा और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस्तेमाल की गई सामग्री क्या थी तथा इस प्रदर्शन का उद्देश्य क्या था। किसी भी धार्मिक आयोजन की आड़ में ऐसा कोई भी कृत्य, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका हो, कानून के दायरे में निष्पक्ष और सख्ती से जांच का विषय होना चाहिए।

मोहर्रम की आड़ में दहशतगर्दी क्यों?

मध्य प्रदेश के महाकाल की नगरी उज्जैन में मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक कार को क्रेन से लगभग 40 फीट ऊपर उठाया गया। फिर उसे "धमाके से उड़ा दिया गया"। ये घटना 24 जून को उज्जैन के बड़नगर इलाके में हुई थी। अब इस मामले में चार लोगों के खिलाफ पुलिस केस दर्ज किया है। कहा जा रहा है कि ये खतरनाक काम स्थानीय अखाड़ों के बीच एक प्रतियोगिता के तौर पर किया गया था, ताकि भीड़ जुटाई जा सके और सोशल मीडिया पर ध्यान खींचा जा सके। पुलिस के मुताबिक, बड़नगर के अदान इलाके से मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था, तभी लोगों की भारी भीड़ के सामने यह स्टंट किया गया। जिस कार पर "ले फिर आ गए" लिखा था, उसे क्रेन से ऊपर उठाया गया। कार में सवार दो युवक लाल झंडे लहरा रहे थे, तभी धुएं, चिंगारियों और टूटे हुए कांच से ऐसा नजारा बना जैसे कोई जबरदस्त धमाका हुआ हो। मौके पर "शेरे अदान अखाड़ा" के पोस्टर भी दिखाई दिए।

बता दें कि इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने 'मुहर्रम' का मुख्य उद्देश्य पैगंबर हज़रत मुहम्मद के नवासे, इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में हुई शहादत का शोक और मातम मनाना है। यह कोई आतंक या शक्ति प्रदर्शन का त्योहार नहीं है, बल्कि ज़ुल्म और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का प्रतीक है। हालांकि, मुहर्रम के दौरान जुलूसों (अखाड़ों) में कुछ जगहों पर तलवारबाज़ी, आग के करतब, या कभी-कभी गैर-पारंपरिक स्टंट (जैसे वाहनों में विस्फोट करना) जैसे खतरनाक प्रदर्शन किए जाते हैं। कर्बला की जंग (680 ईस्वी) की याद में अखाड़ों के माध्यम से युवा अपनी बहादुरी, पारंपरिक हथियारों के इस्तेमाल और लड़ने की कला (मार्शल आर्ट्स) का प्रदर्शन करते हैं। कभी-कभी धार्मिक जोश में आकर युवा भीड़ को आकर्षित करने के लिए खतरनाक स्टंट या आतिशबाजी करते हैं, जिसे अक्सर बाहरी लोग आतंक या डराने वाला शक्ति प्रदर्शन समझ लेते हैं। कुछ असामाजिक तत्व या आयोजक ऐसे विवादास्पद प्रदर्शन जानबूझकर करते हैं ताकि समाज में दहशत फैले, दो समुदायों के बीच तनाव पैदा हो, या राजनैतिक रोटियां सेकी जा सकें। ऐसे भड़काऊ और हिंसक प्रदर्शनों को लेकर प्रशासन द्वारा हमेशा सख़्ती बरती जाती है और अक्सर आयोजकों के खिलाफ पुलिस मामले भी दर्ज़ किए जाते हैं। अधिकांश मुस्लिम संगठन और विद्वान भी ऐसे खतरनाक प्रदर्शनों को इस्लाम के मूल सिद्धांतों के खिलाफ मानते हैं। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जिसमें संवैधानिक व्यवस्था के अन्तर्गत बहुसंख्यकों के बराबर ही अल्पसंख्यकों को समान रूप से धार्मिक सांस्कृतिक त्योहार मनाने की व्यवस्था है, लेकिन मोहर्रम जैसे आयोजन की आड़ लेकर सार्वजनिक स्थल पर सरेआम एक क्रेन के जरिए एक वैन को 40 फुट ऊपर लटकाकर उसमें विस्फोट करना कहीं न कहीं उपद्रवी अराजकता आतंक फैलाने और दूसरे समुदाय में दहशत पैदा करने की मानसिकता का नंगा नाच है। पूर्व में भी देश के कई हिस्सों में मोहर्रम पर इसी तरह के हथियारों बरछी भाले तलवारों के साथ अराजकता का प्रदर्शन किया जाता रहा है और हर साल इस प्रदर्शन व जूलूस के दौरान सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की दर्जनों वारदातों का होना रिकार्ड है। इस के चलते राज्य सरकारों द्वारा इस आयोजन के पहले

लगातार सख्त निर्देश जारी किए जाते हैं और स्थानीय प्रशासन द्वारा इस मौके पर शांति अमन-चैन बनाए रखने के लिए शांति कमेटी की बैठक की जाती है। इसके बावजूद देश भर में कई शहर कस्बे अशांति और तनाव के दौर से गुजरना पड़ा है। उज्जैन के बड़नगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान एक वैन को क्रेन से लटकाकर किए गए धमाके के बाद तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू के खिलाफ एफ़आईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है। एटीएस व एफएसएल ने जांच शुरू की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन में मुहर्रम के जुलूस में ऐसी घटना ने कई सारे सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद उज्जैन के साथ-साथ भोपाल (पुलिस मुख्यालय) भी सकते में बताया गया है। तीन मुस्लिम एवं एक हिन्दू युवक सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर की गई है। इनमें तीन को गिरफ्तार भी किया गया है। आरोपियों से पूछताछ हुई है। सामने आया है, जुलूस के दौरान एक वैन में पटाखों के जरिए ब्लास्ट किया गया। आरोपियों ने वैन को क्रैन के जरिए 40 फीट हवा में उठाया। दो युवक लाल झंडे लेकर उस पर खड़ा रहे। झंडा लहराते रहे। अपनी बात रखते रहे। बाद में इसमें ब्लास्ट किया गया। हंगामा इसलिए बरपा क्योंकि वैन पर लिखा हुआ था, 'ले, फिर आ गए।' सवाल यही उठाया गया कि ये (ले, फिर आ गए) क्यों एवं किसके लिए लिखा गया होगा। हालांकि यह भी कहा गया है कि 'ले, मैं फिर आ गया' लिखा था। दावा ये भी कि विस्फोट पटाखों से किया गया। मगर पुलिस, एफएसएल टीम एवं एटीएस की टीमें हरेक एंगल से जांच कर रही है। विस्फोटक क्या था, पता लगाने में जुटी हुई है। ब्लास्ट से वैन के कांच फूटकर हवा में उड़ गए थे। लोग नीचे तमाशबीन बने रहे। अच्छा यह रहा कि किसी को चोट नहीं लगी। घटनाक्रम के वीडियो सामने आने के बाद विरोध शुरू हुआ। हिन्दू संगठनों ने आपत्तियां जताईं। कार्रवाई की मांग की।सामने आया है कि हिन्दू युवक किराये से क्रैन देने काम करता है। उसका कहना है, जुलूस में फूल बरसाने के लिए क्रैन की मांग की गई थी। आयोजकों की मांग पर उसने क्रैन दे दी। वीडियो वायरल होने के बाद उसे मालूम हुआ कि आयोजक गलत कथन करके वैन को ले गए थे। घटना के बाद उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने मीडिया बयान में कहा, 'बड़नगर में अडान और शरजील अखाड़ों में स्पर्धा चलती है। दोनों अखाड़े एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ताक में रहते हैं। संभव है कि इसी वजह से पूरा घटनाक्रम हुआ और भड़काऊ संदेश लिखे गए हों, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।' बता दे कि विश्व मानचित्र पर हिन्दू धर्म की पवित्र पहचान रखने वाले धार्मिक नगरी उज्जैन में इस तरह का प्रदर्शन आतंकवाद का छिपा समर्थन करने वाले तत्वों का सुनियोजित षड्यंत्र हो सकता है। उज्जैन के साथ-साथ बड़नगर, उन्हेल, नागदा और महिदपुर संवेदनशील क्षेत्रों में शुमार हैं। सांप्रदायिक उन्माद की घटनाएं इन क्षेत्रों में होती रही हैं, लिहाजा पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतना चाहिए थी। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उज्जैन 'मुख्यमंत्री का गृह जिला है। वे गृह महकमे के दायित्व का निर्वहन भी करते हैं, ऐसे में पुलिस की अतिरिक्त सतर्कता ज्यादा बनती है, लेकिन देखा गया है कि प्रशासन सतर्क नही था अन्यथा यह वारदात को अंजाम नहीं दिया जाता सवाल यह है कि राज्य की खुफिया ईकाई ने समय से पहले इस तरह की आतंकी कारवाई की पूर्व सूचना क्यों नहीं दी? मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक पहले से ही धर्मगुरुओं और आयोजकों के साथ संवाद स्थापित करें, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। कानून ऐसे दंगाइयों अराजकता फैलाने वाले समाजकंटको के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष
बाल मुकुन्द ओझा

सांख्यिकी संख्याओं का खेल नहीं, विकास का आईना है

भारत में हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य रोजाना की जिंदगी और योजना एवं विकास की प्रक्रिया में सांख्यिकी के महत्त्व के प्रति लोगों को जागरुक करना है। यह दिन भारत के प्रख्यात सांख्यिकीविद प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जन्मतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। वे आंकड़ों के जादूगर थे। भारत सरकार ने वर्ष 2007 में आधिकारिक तौर पर प्रत्येक वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। पहला सांख्यिकी दिवस 29 जून 2007 को मनाया गया था। वर्ष 2026 का राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस भारत के लिए और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश विकसित भारत @2047 के विजन की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है, जहां डेटा-संचालित नीतियां देश की प्रगति का मुख्य आधार हैं। किसी भी योजना और परियोजना की सफलता उसके सांख्यिकीय महत्त्व पर निर्भर करती है। आंकड़े हमें नियोजित विकास की राह प्रदर्शित करते है। भारत सरकार सांख्यिकीय आंकड़ों के जरिये समय समय पर विकास का आइना दिखती है। यही हमारी प्रगति का अहसास कराती है। बाधाओं का ज्ञान भी कराती है। बिना आंकड़ों के हम किसी योजना की सफलता का अनुमान नहीं लगा पाते। सांख्यिकी केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की कहानी कहने वाली भाषा है। जैसा कि प्रोफेसर पी. सी. महालनोबिस ने कहा था, सांख्यिकी का उद्देश्य केवल डेटा एकत्र करना नहीं है, बल्कि उसके आधार पर सही निष्कर्ष निकालकर समाज का कल्याण करना है। पीसी महालनोबिस बंगाली साइंटिस्ट और अप्लाइड स्टैटिस्टीशन थे, जिनका जन्म 29 जून 1893 को कोलकाता में हुआ था। उन्हें पॉप्युलेशन स्टडीज की सांख्यिकी माप महालनोबिस डिस्टेंस देने के लिए जाना जाता है। वह स्वतंत्र भारत के पहले योजना आयोग के सदस्य भी थे। महालनोबिस ने इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट की नींव रखी और बड़े पैमाने पर सैंपल सर्वे को तैयार करने में भी योगदान दिया। उनके इस योगदान के चलते उन्हें भारत में मॉडर्न स्टैटिस्टिक्स का पिता माना जाता है। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें स्वतंत्रता के बाद नवगठित केंद्रीय मंत्रिमंडल का सांख्यिकी सलाहकार भी नियुक्त किया था।

पंडित जवाहरलाल नेहरू के काफी नजदीक रहने के बावजूद उन्होंने कभी कोई पद आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया। सरकार ने महालनोबिस के विचारों का उपयोग करके कृषि और बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्र में कई अभिनव प्रयोग किए। उनके द्वारा सुझाए गए बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर अमल करते हुए सरकार को इस दिशा में अप्रत्याशित सफलता मिली। स्वतंत्र भारत में औद्योगिक उत्पादन की बढ़ोतरी तथा बेरोजगारी दूर करने के प्रयासों को सफल बनाने के लिए महालनोबिस ने ही योजना तैयार की थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने के उद्देश्य के लिए वर्ष 1949 में महालनोबिस की अध्यक्षता में ही एक श्राष्ट्रीय आय समितिश का गठन किया गया था। जब आर्थिक विकास को गति देने के लिए योजना आयोग का गठन किया गया तो उन्हें इसका सदस्य बनाया गया। महालनोबिस चाहते थे कि सांख्यिकी का उपयोग देशहित में हो। उन्होंने देश को आंकड़ा संग्रहण की जानकारी दी। साथ ही भारत सरकार की दूसरी पंचवर्षीय योजना का मसौदा तैयार करने में उन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई। पीसी महालनोबिस बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। एक वैज्ञानिक होने के साथ ही साहित्य में भी उनकी जबरदस्त रुचि थी। उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की कृतियों पर अनेक लेख लिखे थे। शांति निकेतन में रहकर महालनोबिस ने टैगोर के साथ करीब 2 महीने का समय बिताया। इस दौरान टैगोर ने उन्हें आश्रमिका संघ का सदस्य बना दिया। बाद में जब टैगोर ने विश्व भारती की स्थापना की, तो महालनोबिस को संस्थान का सचिव भी नियुक्त किया। आज जब भारत विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध सांख्यिकीय आंकड़े नीति निर्माण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। महालनोबिस का जीवन इस बात का प्रमाण है कि विज्ञान और सांख्यिकी का उद्देश्य केवल संख्याओं का संग्रह करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के हित में उनका सार्थक उपयोग करना है। डिजिटल युग में डेटा ही नई शक्ति बन चुका है और यही शक्ति भारत को आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसलिए सांख्यिकी को केवल विषय नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता व राष्ट्र निर्माण के सबसे प्रभावी उपकरण के रूप में स्वीकार करने की आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शरणागति के संत 'गोस्वामी तुलसीदास'

संकलित
दर्शन

भगवान शंकर जी ने भी विष पिया और गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी। दोनों ने समाज को रामकथामृत देकर धन्य कर दिया। संसार में और समुद्र में अमृत-मंथन करने पर विष अवश्य निकलेगा, पर उसमें राम को जोड़ दिया तो वह विष भी अमृत हो जाएगा। यही तुलसीदास जी ने किया- ***गरल सुधा रिपु करहिं मिताई, गोपद सिंधु अनल सित लाई।***

गरुड़ सुमेरु रेनु सम ताही, राम कृपा करि चितवा जाही।। राम नाम के प्रति गोस्वामी जी की आस्था तो सावन मास के अंधे की तरह थी, जिन्हें राम प्रेम में सब हरा ही हरा दिखाई देता था। राम की कृपा के प्रति गोस्वामी तुलसीदास जी की यह जो दीनता और शरणागति है, यही उनका चरम पुरुषार्थ है। कृपा के मूल में पुरुषार्थ नहीं होता है, अपितु पुरुषार्थ के मूल में कृपा होती है। रामचरितमानस कृपासाध्य ग्रंथ है, साधन साध्य नहीं। कर्म, उपासना, साधन, अनुष्ठानादि सब ठीक हैं, पर यह सब पाने के साधन हैं, किंतु जिसके जीवन में प्राप्तव्य ही कृपा से प्राप्त हुआ हो, वह क्या करे? रामचरितमानस में पुरुषार्थ के चरम आदर्श श्री लक्ष्मण जी और कृपा के चरम आदर्श श्री भरत जी दोनों के आदर्श और सर्वस्व श्रीराम हैं। इसका तात्पर्य यह है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने वाल्मीकि जी, व्यास जी और जितने भी श्रेष्ठतम पुराणकार हुए सबकी वंदना की है, पर उन्होंने अपने ग्रंथ में न तो इतिहास को उठाया, न किसी ग्रंथ से कुछ लिया। इसीलिए श्रीरामचरितमानस भक्तों के हृदय सिंहासन पर विराजमान हो सका।

बहरूपियों से हमेशा सावधान रहें

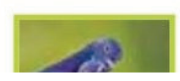

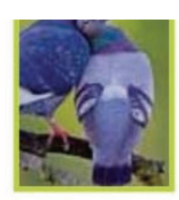

संकलित
प्रेरणा

एक कबूतर और एक कबूतरी एक पेड़ की डाल पर बैठे थे। उन्हें बहुत दूर से एक आदमी आता दिखाई दिया। कबूतरी के मन में कुछ शंका हुई और उसने कबूतर से कहा कि चलो जल्दी उड़ चले नहीं तो ये आदमी हमें मार डालेगा। कबूतर ने लंबी सांस लेते हुए आराम के साथ कबूतरी से कहाः भला उसे ध्यान से देखो तो सही, उसके कपड़े देखो, चेहरे से भोलापन टपक रहा है, ये हमें क्या मारेगा, बिलकुल सज्जन पुरुष लग रहा है। कबूतर की बात सुनकर कबूतरी चुप हो गई। जब वह आदमी उनके पास आया तो अचानक उसने अपने वस्त्र के अंदर से तीर कमान निकाला और झट से कबूतर को मार दिया। और बेचारे उस कबूतर के वहीं प्राण पखेरू उड़ गए। असहाय कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई और बिलखने लगी। उसके बाद वह कबूतरी रोती हुई अपनी फरियाद लेकर राजा के पास गई और राजा को उसने पूरी घटना बताई। राजा ने तुरंत अपने सैनिकों को उस शिकारी को पकड़कर लाने का आदेश दिया। तुरंत शिकारी को पकड़ कर दरबार में लाया गया। शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। कबूतरी ने बहुत दुःखी मन से कहा किः हे राजन, मेरा जीवन साथी तो इस दुनिया से चला गया जो फिर कभी भी लौटकर नहीं आएगा, इसलिए मेरे विचार से इस क्रूर शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि अगर वो शिकारी है तो उसे हर समय शिकारी वाले कपड़े पहनना चाहिए।

अंतर्मन

बांग्लादेशी पीएम के सलाहकार जाहिद उर रहमान दिल्ली एयरपोर्ट से नाराज वापस लौटे

आज की पाती

चढ़ावे की चोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो

चार माह पहले मुझे अयोध्या, प्रयागराज व काशी जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। मैंने नहीं सोचा था कि अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे के पैसे पर ही डाका पड़ जाएगा। जो लोग चढ़ावे के नोट गिनते थे, उन्होंने ही हेराफेरी कर ली। बताया जाता है कि पिछले चार वर्षों में करोड़ों का घोटाला हो गया और यह हेराफेरी करने वालों के संबंध बड़े बड़े लोगों से हैं। लोगों द्वारा चढ़ाए गए करोड़ों रुपए के सोने-चांदी व हीरे के हार गायब हो गए हैं। इस संबंध में जनता चाहती है कि घोटाला करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। प्रचार किया जाता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार के प्रति सख्त रवैया रखने वाले मुख्यमंत्री हैं, तो क्यों न इस घोटाले के आरोपियों को बेनकाब किया जाए। – *संजय कश्यप, करनाल*

X ट्रेंड f

मतदाताओं से बातचीत करेंगे

मैं जम्मू-कश्मीर की खूबसूरत वादियों के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले मतदाताओं के साथ बातचीत करूंगा, खासकर बडगाम जिले के जमीनी स्तर पर कार्यरत बूथ-स्तरीय अधिकारियों के साथ, जो आयोग की नींव हैं। बीएलओ और अन्य संबंधित पक्षों के साथ संवाद करेंगे।
-ज्ञानेश कुमार, सीईसी

अपने अंदर झांके पाक

हमने कराची में घटना के संबंध में भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने वाली पाकिस्तानी रिपोर्ट देखी है। 'हम इन आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय, पाक को अपने अंदर झांकना चाहिए।
-रणधीर जायसवाल, प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

सख्त कार्रवाई होगी

मुझे जानकारी मिली है कि पान मसाला व गुटखा जैसे उत्पादों में भी नशा मिलाया जा रहा है। यदि कोई इन उत्पादों में थोड़ी-सी मात्रा में भी कोई नशीला पदार्थ मिलाता पाया गया, तो कर्नाटक में ऐसे उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। -डीके शिवकुमार, सीएम, कर्नाटक

सबसे यादगार पल

विश्व चैंपियनशिप मेरे करियर के सबसे खास टूर्नामेंट में से एक है। कुछ सबसे यादगार पल, सबसे मुश्किल सबक और सबसे फक्र करने वाली उपलब्धियां इसी मंच पर मिली हैं। 'भारत में अपने प्रशंसकों के सामने विश्व चैंपियनशिप में खेलने का मौका और भी विशेष बनाता है।
-पीवी सिंधू, बैडमिंटन खिलाड़ी

करंट अफेयर

वॉशिंगटन में भारतीय आमों का स्वाद चखने उमड़ी भीड़

अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित 'ड्यूपॉन्ट सर्कल' में हजारों लोग भारतीय आमों की मिठास और लजीज बिरयानी का स्वाद लेने के लिए उमड़े। भारतीय दूतावास ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया था जिसमें भारतीय मूल के अमेरिकी वर्जीनिया और मैरीलैंड से ड्यूपॉन्ट सर्कल पहुंचे। उन्होंने पुरानी यादें ताजा कीं और केसर, लंगड़ा एवं मालदा सहित विभिन्न किस्मों के रसीले आमों का स्वाद चखा। अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की दिशा ने केसर आम का लुत्फ उठाते हुए कहा, 'मुझे याद है कि गर्मियों में मेरी दादी हमें आम खिलाया करती थीं। मैं बस भारतीय आमों का स्वाद लेने के लिए ही यहां आई हूं।' फुटबॉल विश्व कप देखने के लिए अमेरिका की यात्रा कर रहे एंड्रयू ने कहा, 'मैंने पहले कभी इतना स्वादिष्ट आम नहीं खाया।' 'टेस्ट द ट्रॉपिकल मैजिक' नामक यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से वॉशिंगटन में गर्मियों के दौरान प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है और इसका दायरा हर साल बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, 'यहां केवल आम का की एक फांक या भारत की झलक ही नहीं, बल्कि भारत के विविध स्वाद उपलब्ध हैं।'

ऑफ बीट

आहार की नई सिफारिश में सब्जियों पर अधिक जोर

ईएटी-लैंसेट आयोग का कहना है कि पिछले सप्ताह जारी उनके 'प्लैनेटरी हेल्थ डाइट' को अपनाने से दुनिया भर में प्रतिदिन 40,000 समयपूर्व मौतों को रोका जा सकता है और 2050 तक कृषि से होने वाले मीथेन उत्सर्जन में 15 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है। इस आहार में अधिक सब्जियों, फल, साबुत अनाज, दालें और मेवे शामिल करने की सिफारिश की गई है, जबकि मांस, मछली, मुर्गी और दुग्ध उत्पाद को सीमित मात्रा में रखा गया है। यदि आप एक थाली की कल्पना करें, तो उसका आधा हिस्सा सब्जियों और फलों (जिनमें सब्जियां अधिक हों) से भरा होना चाहिए। बाकी आधे हिस्से में साबुत अनाज और वनस्पति आधारित प्रोटीन हों। इसमें थोड़ी मात्रा में पशु उत्पाद और स्वस्थ वसा के लिए स्थान है, लेकिन अतिरिक्त चीनी बहुत कम रखी जानी चाहिए। विशेष रूप से मक्खन का कहीं जिक्र नहीं किया गया। सबसे विवादास्पद सिफारिश है- मांस की मात्राः केवल 14 ग्राम प्रतिदिन लाल मांस और 29 ग्राम प्रतिदिन चिकन। न्यूजीलैंड का पारंपरिक आहार इस सिफारिश से काफी अलग है। लेकिन देश भर में किशोर लड़कियों पर किए गए एक हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि अब एक बदलाव आ रहा है।

नवी मुंबई के बिरसा मुंडा उद्यान में 5,000 से अधिक पौधे लगाए गए

नवी मुंबई : रबाले के टीटीसी-एमआईडीसी क्षेत्र में स्थित बिरसा मुंडा उद्यान, वारली पाड़ा में लगभग 5,000 पौधे लगाए गए।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र पर्री को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामेश्वर कुमार कुशवाहा आ० दिलीप कुमार कुशवाहा निवासी पर्री तहसील सूरजपुर के द्वारा ग्राम पर्री मे स्थित भूमि खसरा नम्बर 11/1 वगै. कुल खसरा नम्बर 7 कुल रकबा 7 कुल रकबा 0.55 हे. भूमि पर अनावेदिका का नाम विलोपिल किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 08/07/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 12/06/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं नैतिक पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी जगदीस सिंह राठौर गाँव / शहर पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-नैतिक (पुराना नाम) से बदल कर नैतिक राठौर (नया नाम) रख लिया है। मैं जगदीश सिंह राठौर (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री अशोक सिंह राठौर गाँव / शहर - पत्थलगाँव तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम नेतिक (पुराना नाम) से बदल कर नैतिक राठौर (नया नाम) रख लिया है।

तीन दशक से चल रहा विवाद समाप्त, राजस्थान को मिलेगा यमुना का पानी

हरियाणा-राजस्थान के बीच जल समझौता गृहमंत्री शाह की मौजूदगी में एमओयू साइन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को हरियाणा और राजस्थान के बीच जल बंटवारे को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ। दोनों राज्यों की सरकारों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, सीएम नायब सिंह सैनी और राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा भी मौजूद रहे। समझौते के तहत मानसून के दौरान हरियाणा पाइप लाइन के जरिए राजस्थान को पानी भेजेगा। समझौते के तहत वर्ष 1994 में हुए अपर यमुना रिवर बोर्ड के जल बंटवारा समझौते के अनुसार राजस्थान को उसके हिस्से का पानी उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे लंबे समय से लंबित जल वितरण से जुड़े मुद्दों के समाधान की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

> समझौते के तहत मानसून के दौरान हरियाणा पाइप लाइन के जरिए राजस्थान को पानी भेजेगा। समझौते के तहत वर्ष 1994 में हुए अपर यमुना रिवर बोर्ड के जल बंटवारा समझौते के अनुसार राजस्थान को उसके हिस्से का पानी उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है

पेयजल उपलब्धता और सिंचाई क्षमता का मिलेगा लाभ

जुलाई से अक्टूबर तक पाइपलाइन के जरिए पानी मिलेगा

सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण

अमित शाह उपस्थिति में सीएम नायब सैनी और सीएम भजनलाल ने किया एमओयू

अमित शाह ने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही यह समझौता इस बात का भी उदाहरण है कि अगर राज्य सहकारी संघवाद की सोच को आगे बढ़ाएं तो तीन दशक पुरानी समस्या भी सरलता से सुलझ सकती है।

इन मुद्दों पर बनी सहमति

गृह मंत्री ने कहा कि इस समझौते के तहत जुलाई से अक्टूबर तक लगभग 580 एमसीएम पानी यमुना नहर से तीन भूमिगत पाइपलाइंस के जरिए राजस्थान तक पहुंचाया जाएगा। पाइप का व्यास 3.6 मीटर से भी अधिक है जिनके माध्यम से राजस्थान और हरियाणा राज्यों के लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था होगी। यह समझौता दोनों राज्यों के लिए 'लाभदायक स्थिति' का अच्छा उदाहरण है। समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकॉल और रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है।

वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण है समझौता

शाह ने कहा कि इस वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण समझौते में बुनियादी ढांचे का संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता के उपायों और विवाद समाधान की प्रक्रिया को भी बहुत बढ़िया तरीके से समाहित किया गया है। हरियाणा, राजस्थान और विशेषकर केंद्रीय जल आयोग ने जो प्रारूप बनाया है वह दशकों तक विवादहीन समझौते के रूप में स्थापित रहेगा।

कई बांध परियोजनाओं के काम में तेजी आएगी

इसके बाद रेणुका डैम, किशाऊ डैम और लखवार डैम जैसी बहुप्रतीक्षित बांध परियोजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में भी तेजी आने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से पेयजल उपलब्धता, सिंचाई क्षमता और जल संरक्षण को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे जल के बेहतर प्रबंधन और जल सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

इनेलो ने किया कड़ा विरोध

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह ने हरियाणा और राजस्थान के बीच हुए जल समझौते का कड़ा विरोध किया है। संपत सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के जल अधिकारों पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा के हितों की अनदेखी करते हुए राजस्थान के साथ समझौता किया है, जबकि एसवाईएल नहर का निर्माण आज भी अधूरा है और राज्य लगातार जल संकट का सामना कर रहा है। सिंह ने कहा कि हरियाणा के गठन के बाद राज्य को यमुना जल पर वैधानिक अधिकार मिला था, लेकिन 1994 के समझौते में हरियाणा की हिस्सेदारी घटा दी गई।

गुंडा तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

प. बंगाल लोक सुरक्षा विधेयक विस में 176 मतों से पारित हुआ

बिना मुकदमे 12 माह तक हिरासत में रख सकेंगे

◆ आदतन अपराधी और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला अब गुंडा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल लोक सुरक्षा एवं असामाजिक गतिविधि नियंत्रण विधेयक, 2026 सोमवार को विधानसभा में पारित हो गया। असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए बिना मुकदमे के 12 महीने तक एहतियाती हिरासत में रखने का प्रस्ताव करने वाला यह विधेयक सदन में पेश किया गया, जिसे 41 के मुकाबले 176 मतों से पारित कर दिया गया। बंगाल के बागी सांसदों ने भी नए विधेयक का समर्थन किया है। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने सदन में कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य दंगों और अन्य तरह की हिंसा की रोकथाम करना है।

मौजूदा कानून पर्याप्त नहीं था

सीएम अधिकारी ने कहा कि मौजूदा कानून राज्य में असामाजिक तत्वों और दंगाइयों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसलिए सरकार ने गुंडा तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए नया बिल लाने का फैसला किया था। इस विधेयक के तहत अवैध खनन, रेत खनन और वन्यजीवों से जुड़े अपराध भी शामिल किए जाएंगे। राज्य सरकार ने कहा है कि कोई आदतन अपराधी है और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है तो उसे गुंडा माना जाएगा। नए विधेयक से पुलिस को ज्यादा पॉवर मिलेगी। एसपी रैंक या उससे ऊपर के अधिकारी की रिपोर्ट पर किसी व्यक्ति को हिरासत में लिया जा सकेगा। इतना ही नहीं पुलिस किसी व्यक्ति को अगर जन सुरक्षा के लिए खतरनाक मानती है तो उसे बिना मुकदमे के एक साल तक हिरासत में रखा जा सकेगा।

तृणमूल फंड विवाद में होगी जल्द सुनवाई

तृणमूल कांग्रेस पार्टी के तीन बैंक खातों में जमा करीब 440 करोड़ रुपए के संचालन और उस पर अधिकार को लेकर पैदा हुए विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और तत्काल सुनवाई की मांग की है। सोमवार को मामले का उल्लेख न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की अदालत में किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने जल्द सुनवाई का अनुरोध किया। अदालत ने कहा कि मामले में पुलिस, संबंधित बैंक और राज्य सरकार सहित सभी पक्षों को पहले नोटिस देना जरूरी है। इसके बाद ही सुनवाई की तारीख तय की जाएगी। अदालत ने संकेत दिया कि नोटिस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंगलवार को मामले पर विचार किया जा सकता है।

दिल्ली में नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी

एक जुलाई से होगी लागू, जनता का 15 हजार करोड़ रु. का लाभ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पॉलिसी को मंजूरी दे दी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि उपराज्यपाल की संस्तुति के बाद यह नीति एक जुलाई से लागू होगी और 31 अगस्त 2031 तक प्रभावी रहेगी। नई ईवी पॉलिसी से आम लोगों को करीब 15 हजार करोड़ रुपए का लाभ मिलने का अनुमान है। नई ईवी पॉलिसी में दोपहिया वाहन पर पहले वर्ष अधिकतम 30 हजार रुपए, इलेक्ट्रिक ऑटो पर 50 हजार रुपए और एन1 श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रक पर

पहले वर्ष एक लाख रुपए तक की खरीद सब्सिडी मिलेगी। निजी इलेक्ट्रिक कारों पर खरीद सब्सिडी नहीं होगी, लेकिन पुराने बीएस-4 या उससे नीचे के वाहन को स्क्रैप करने पर एक लाख रुपए तक का स्क्रैपिंग इंसेंटिव दिया जाएगा। 30 लाख रुपए तक की इलेक्ट्रिक कारों को रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी।

असम में बाढ़ का भीषण कहर

अमित शाह ने सीएम हिमंता को सहायता का दिया भरोसा

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को फोन कर राज्य के कुछ हिस्सों में आई बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। शाह ने राज्य में नदियों का जलस्तर बढ़ने से हुए नुकसान और मौजूदा हालात, राहत और बचाव कार्यों की प्रगति के बारे में भी जानकारी हासिल की। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि गृह मंत्री ने हमें

इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार की ओर से हरसंभव मदद और सहयोग का भरोसा दिया है। मैं गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने फोन कर धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। धेमाजी जिले के चार राजस्व सर्किलों के 69 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। यहां करीब 16,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' में उमड़ी भीड़

पुरी। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के पारंपरिक स्नान अनुष्ठान का आयोजन सोमवार तड़के 12वीं शताब्दी के मंदिर परिसर में किया गया। इस दौरान देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। स्नान यात्रा वार्षिक रथ यात्रा का पूर्व आयोजन मानी जाती है। इस अवसर पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को गर्भगृह से बाहर लाया जाता है और सार्वजनिक रूप से 108 कलशों के जल से पवित्र स्नान कराया जाता है। मंदिर परिसर में बने ऊंचे मंच पर आयोजित इस अनुष्ठान का दर्शन श्रद्धालु मंदिर के सामने स्थित भव्य मार्ग से करते हैं। इस वर्ष स्नान यात्रा की शुरुआत सुबह 5 :15 बजे देवताओं की पारंपरिक 'पाहंडी' यानी शोभायात्रा के साथ हुई।

प्ररूप-(एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं अब्रियल टोप्पो (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/लुईस टोप्पी गांव कोदौरा तहसील राजपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम अब्रियल टोपों से बदल कर गबरेल

टोपों नया नाम रख लिया है
अब्रियल
हस्ताक्षर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण चन्दा रानी माईती पत्नि स्व. परितोष माईती, उम्र-60 वर्ष, राजकुमार माईती आ.स्व. परितोष माईती, उम्र-38 वर्ष, शिल्पा माईती पत्नि राजकुमार माईती, उम्र 33 वर्ष, सभी जाति कायस्थ, निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के द्वारा अनावेदकगण श्रीमती सुनीता अग्रवाल पत्नि राजेश अग्रवाल, श्रीमती ममता अग्रवाल पत्नि अनिल अग्रवाल, श्रीमती पुष्पा अग्रवाल पत्नि निरंजनलाल अग्रवाल के संयुक्त स्वामित्व व अधिवपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 03 मोहल्ला केदारपुर गुदरी रोड़ स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 1245 रकबा 0.03 ऐकड़ एवं भू.ख.क्र. 1246/1 में से रकबा 0.16 1/4 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 24.03.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदकगण द्वारा आवेदित भूखण्ड का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 24/06/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० अ-6/2025-26

ईश्तहार

आमजनता/ग्रामीणजनको एतद् द्वारासूचित किया जाता है कि अपीलार्थी शिवधारी आ० स्व. बच्चालाल उम्र लगभग 50 वर्ष जाति अहिर निवासी ग्राम परसिया तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार भैयाथान के ऑनलाइन रा०प्र०क्र0 सी0जी0 2024-25-1841190/31अ-6/2024-25 में पारित आदेश दिनांक 24.11.2024 पक्षकार शिवनारायण सिंह प्रति तिलक राम से क्षुब्ध एवं परिवेदित होकर राजस्व अपील अन्तर्गत धारा 44 (1) छ0ग0 संहिता के तहत अपील प्रस्तुत किया है। अपीलार्थी के आवेदन पत्र पर कार्यवाही प्रारंभ कर दिया गया है। अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में सुधार किये जाने से किसी हितबद्ध पक्षकार/व्यक्ति 1. शिवनारायण सिंह आ० रामऔतार जाति गोंड़ निवासी ग्राम धरसेडी तहसील ओडगी जिला सूरजपुर छ0ग0, 2. तिलक राम आ० दलई जाति अहिर निवासी ग्राम मसिरा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ0ग0, 3. रनसाय आ० स्व० बुढ़वा जाति पनिका निवासी ग्राम परसिया तहसील ओडगी जिला सूरजपुर छ0ग0, 4. घनसाय आ० स्व० बुढरा जाति पनिका निवासी ग्राम परसिया तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ०ग० को आपत्ति हो तो वे स्वंय अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक. 03/07/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। एवं तद्अनुसार कार्यवाही कर दिया जाएगा। आज दिनांक 12/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

आश्रम परिसर में निःशुल्क चिकित्सा सेवा, मरीजों को मिला लाभ

रेणुकूट। पिपरी स्थित श्री अनंत पद्मावती सेवा आश्रम परिसर में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद पटेल ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया। पिपरी और रेणुकूट क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों के लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया। डॉ. आनंद पटेल ने बताया कि बदलते मौसम में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका रूकमणी पत्नी स्व० रामकृष्ण वासूले, निवासी दरीर्पारा नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला दरीर्पारा, नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-010 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3760/2, 3761/2 रकबा 0.01 1/2, 0.02 1/2 एकड़ भूमि को अपनी पुत्री अनावेदक गौरी देवी पति फेकू दास, निवासी ग्राम कोसंगा, तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 18/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/ 121 वर्ष

ग्राम कुसमुसी प.ह.न. 11

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजधनी

पिता रामबकस जाति गड़ेरी निवासी ग्राम कुसमुसी प.ह.न. 11 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / अम्बिकापाल आ० राजधनी का जन्म / दिनांक 24/03/2014 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/अम्बिकापाल

का जन्म / पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 08/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 24/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

नवी मुंबई नगर निगम ने वाशी की 'खतरनाक' इमारत की पानी की आपूर्ति और सीवेज कनेक्शन काट दिया

संवाददाता

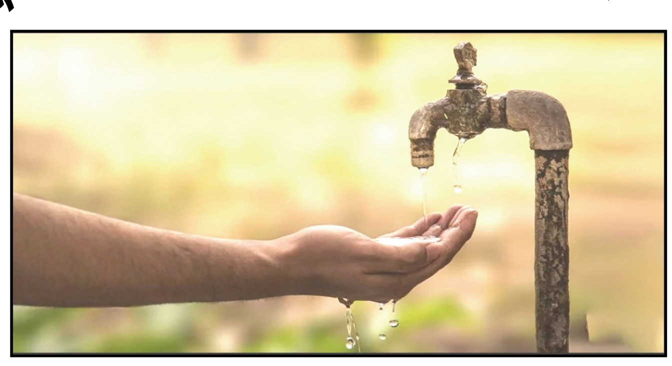

नवी मुंबई : नवी मुंबई नगर निगम ने सेक्टर 30, सानपाड़ा, नवी मुंबई स्थित अमोली सहकारी आवास सोसायटी की जल आपूर्ति और सीवेज कनेक्शन काट दिया, क्योंकि इमारत को सी-1 श्रेणी के तहत खतरनाक संरचना घोषित किया गया था। नगर निगम समिति द्वारा 2019-20 में इमारत को सी-1 श्रेणी (अत्यधिक खतरनाक, रहने योग्य नहीं, तत्काल खाली करने की आवश्यकता) के तहत खतरनाक घोषित किया गया था, लेकिन निवासियों ने नागरिक प्रशासन की चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण कड़ी कार्रवाई की गई। नगर निगम ने अपने कार्यालय के माध्यम से नोटिस जारी कर संबंधित लोगों से इमारत का उपयोग तुरंत बंद करने और खतरनाक इमारत को खाली करने को कहा। हालांकि, यह पाया गया कि खतरनाक इमारत में स्थित फ्लैटों का उपयोग अभी भी एक दर्जन से अधिक परिवार आवासीय उद्देश्यों के लिए कर रहे थे। एनएमएमसी ने सी-1 श्रेणी में आने वाली इमारतों के बिजली, पानी और गैस कनेक्शन काटने के संबंध में बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों का हवाला दिया। उच्च न्यायालय ने याचिका संख्या 1135/2014 के जवाब में ऐसे भवनों को खाली कराने और बेदखली की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए ये निर्देश जारी किए थे। इससे पहले, एनएमएमसी ने वाशी क्षेत्र में कुछ इमारतों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चिन्हित निवासियों की पानी और बिजली की आपूर्ति काट दी थी और उन्हें एक से अधिक बार बेदखली के नोटिस जारी किए थे। एनएमएमसी ने 500 से अधिक खतरनाक इमारतों की घोषणा की और नोटिस भी जारी किए, लेकिन कई सोसाइटियों ने नागरिक चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण एनएमएमसी को निवासियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने पड़े, क्योंकि मानसून शहर में दस्तक दे चुका है। जिन इमारतों में नागरिक कार्रवाई देखी गई उनमें जय महाराष्ट्र की 16 इमारतें (जेएन-2 टाइप अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन, सेक्टर 9, वाशी, भवन संख्या 31 से 46), लिटिल फ्लावर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (जेएन-4 टाइप भवन संख्या 9, सेक्टर 9, वाशी), नूर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (प्लॉट संख्या 18, सेक्टर 9ए, वाशी), डी-टाइप अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (भवन संख्या डी-1 से भवन संख्या डी-4, सेक्टर 1, वाशी) शामिल हैं। एनएमएमसी सूत्रों के अनुसार, जल आपूर्ति विभाग, नगर निगम, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, एनएमएमसी के अतिक्रमण विभाग, अतिक्रमण विभाग के सुरक्षाकर्मी और स्थानीय पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया था। नगर निगम ने कहा कि आने वाले दिनों में इस तरह की कार्रवाई तेज की जाएगी। शिंदे ने कहा कि शहर के अन्य इलाकों में भी जल्द ही और कार्रवाई की जाएगी ताकि उन लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके जो बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद खतरनाक ढांचों में रह रहे हैं।

समितियों में पर्याप्त खाद-बीज रखेंने कलेक्टर के निर्देश, कालाबाजारी पर होगी एफआईआर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की स्थापना के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निदेर्शानुसार 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति (क्क्क्) की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता की पहुंच जन-जन तक पहुंचाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई एवं अधिकारियों को कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा समय-सीमा में निर्देश पूर्ण करने हेतु कहा गया। बैठक में पैक्स को मजबूत बनाने हेतु कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने के निर्देश दिए गए। साथ ही नाफेड, एन.सी.सी.एफ, एन.सी.इ.एल, एन.सी.ओ.एल, बी.बी.एस.एस.एल जैसी राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं में जिला जशपुर की लैम्प्स समितियों की सदस्यता पर विशेष जोर देते हुए सदस्यता ग्रहण करने हेतु निर्देशित किया गया। जिले के कुनकुरी ब्लॉक में लैम्प्स समिति कुनकुरी के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। जिले के मछुआ एवं दुग्ध समितियों जो वर्तमान में अकार्यशील है, उन्हें कार्यशील कराने एवं इस हेतु उचित कार्यवाही करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देश दिये गये। खरीफ 2026 अंतर्गत कृषि ऋण वितरण की समीक्षा उपरांत कृषकों को लोन प्रदान करने तथा जिले में खाद-बीज की कमी न हो तथा कृषकों को सरल, सहज तथा आवश्यकतानुसार तत्काल नकद एवं खाद के रूप में ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए कृषि, सहकारिता एवं अपेक्स बैंक को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त लैम्प्स समितियों के माध्यम से कृषकों को तत्काल समिति स्तर पर माइक्रो ए.टी.एम. के माध्यम से राशि आहरण की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने तथा कृषकों को इसका लाभ पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया। जिले में नवगठित 20 समितियों द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा एवं उनके सफल क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिया गया।

कलेक्टर ने सुनी फरियाद, राजस्व-पेंशन के मामलों के त्वरित समाधान के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर व्यास ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनदर्शन में आमजन ने अपनी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। आज आयोजित जनदर्शन में कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें मुख्य रूप से राजस्व संबंधी प्रकरण, पेयजल, सड़क, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ, अधोसंरचना विकास, आजीविका संवर्धन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़ी मांगें एवं समस्याएं शामिल थीं। कलेक्टर व्यास ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर उनका समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है, इसलिए प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी संबंधित आवेदकों को समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें अपने प्रकरण की स्थिति की स्पष्ट जानकारी मिल सके। कलेक्टर ने विशेष रूप से जनसुविधाओं से जुड़े मामलों जैसे पेयजल, सड़क, स्वच्छता तथा शासकीय योजनाओं के लाभ से संबंधित प्रकरणों पर गंभीरता से कार्रवाई करने पर जोर दिया।

दोकड़ा में हजारों भक्तों के बीच महाप्रभु का दिव्य स्नान, 15 दिन नहीं होंगे दर्शन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दोकड़ा/जशपुर। ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ मंदिर दोकड़ा में सोमवार को स्नान पूर्णिमा पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र और माता सुभद्रा का 108 पवित्र कलशों के सुगंधित जल से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दिव्य महारण स्नान संपन्न हुआ।

गजानन वेश और 56 भोग

महाभिषेक के बाद महाप्रभु ने दिव्य गजानन वेश धारण किया। भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरे मंदिर परिसर में ₹जय जगन्नाथ₹ के जयघोष, भजन-कीर्तन और शंखध्वनि से भक्तिमय माहौल बना रहा। कार्यक्रम के अंत में महाआरती और महाप्रसाद का वितरण हुआ।

अब 15 दिन अनसर में रहेंगे महाप्रभु

धार्मिक परंपरा के अनुसार 108 कलशों से महाभिषेक के बाद भगवान 15 दिनों तक 'अनसर काल' में रहेंगे।

स्कूल के पास गुटखा बेचा तो दुकान सील, लत वाले सरकारी कर्मचारी जाएंगे रिहैब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एनकार्ड समिति की बैठक हुई। कलेक्टर ने नशे के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और व्यापक जनजागरूकता के निर्देश दिए। कोटपा एक्ट, नारकोटिक एक्ट और आबकारी अधिनियम के तहत लगातार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक के बड़े निर्देश

स्कूलों के पास सख्तीः सभी स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में गुटखा, तंबाकू और प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध। उल्लंघन पर कोटपा एक्ट के साथ गुमास्ता एक्ट में भी कार्रवाई होगी।

नशे में लिप्त कर्मचारियों पर एक्शनः नशे की लत से ग्रसित शासकीय अधिकारी-कर्मचारी को अनिवार्य रूप से 1 माह तक नशा मुक्ति केंद्र में रहकर उपचार लेना होगा।

हेल्पलाइन का प्रचारः नशे से पीड़ितों के लिए नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 और नशा मुक्ति टोल फ्री 14446 का व्यापक प्रचार होगा। होटल-ढाबों पर छापेः आबकारी विभाग राष्ट्रीय और राज्यीय राजमार्गों पर होटल-ढाबों में अवैध शराब की नियमित जांच करे।

तस्करी पर निगरानीः पड़ोसी राज्यों से आने वाले मादक पदार्थों की तस्करी पर विशेष निगरानी, एजेंसियों से समन्वय कर कार्रवाई।

कलेक्टर ने कहा

नशे के विरुद्ध केवल कार्रवाई नहीं, जागरूकता भी जरूरी है। नशे की लत से पीड़ितों को नशा मुक्ति केंद्र जाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षा विभाग को स्कूल, कॉलेज, छात्रावास और कोचिंग में नशे के दुष्प्रभावों पर नियमित जागरूकता के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिलेभर में कार्यक्रम चलाने को कहा। बैठक में अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार सहित सभी एसडीएम, एसडीओपी और स्वास्थ्य, आबकारी, पुलिस, यातायात व परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने नशामुक्त जशपुर के लिए सभी विभागों को समन्वय से काम करने को कहा।

30 जून को जिले में 64.9 मिमी औसत वर्षा

जशपुरनगर। जिले में 01 जून से 30 जून तक 809.3 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 30 जून तक सामान्य औसत वर्षा 1683.2 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 64.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से अब तक तहसीलवार वर्षा इस प्रकार हैः तहसील जशपुर में 77.4 मिमी, मनोरा में 136.5 मिमी, कुनकुरी में 104.5 मिमी, दुलदुला में 55.7 मिमी, फरसाबहार में 48.6 मिमी, बगीचा में 47.0 मिमी, कांसाबेल में 76.0 मिमी, पत्थलगांव में 72.7 मिमी, सन्ना में 147.9 मिमी एवं बागबहार में 43.0 मिमी वर्षा हो चुकी है।

बाल मधुमेह के सिर्फ 15 केस, सभी बच्चों को मिल रहा मुफ्त इंसुलिन और इलाज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी.एस.जात्रा ने गांव के बच्चों में शुगर का खतरा शीर्षक समाचार के संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया है। उन्होंने बताया कि जिले में अन्य जिलों की तुलना में बाल मधुमेह के मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत कम है तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों की नियमित जांच एवं उपचार की प्रभावी व्यवस्था की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले के जिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा उप स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित रूप से मधुमेह की स्क्रीनिंग की जा रही है। इस सतत जांच अभियान के दौरान अब तक बाल मधुमेह के केवल 15 प्रकरण ही दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि चिन्हित सभी बाल मधुमेह मरीजों को मुख्यमंत्री बाल मधुमेह योजना के अंतर्गत निःशुल्क जांच, उपचार, आवश्यक दवाइयां तथा विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा निरंतर उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही बच्चों एवं उनके परिजनों को रोग की रोकथाम, संतुलित आहार, नियमित जांच एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि जिले में बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा मधुमेह सहित अन्य गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान और उपचार के लिए नियमित स्क्रीनिंग अभियान संचालित किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

कलेक्टर ने 9 कर्मचारियों को किया सम्मानित, रिटायरमेंट के दिन ही मिला पेंशन आदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में शिक्षा विभाग के 9 सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों को उनके रिटायरमेंट के दिन ही पेंशन अदायगी आदेश (पीपीओ) सौंपकर सम्मानित किया। सभी को शाल-श्रीफल भेंट कर उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की गई। जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र कुमार सिन्हा ने बताया कि कैलेंडर वर्ष 2026 में 30 जून को जिले से कुल 9 अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इनमें 5 प्रधान पाठक, 1 उच्च वर्ग शिक्षक, 1 व्याख्याता, 1 भृत्य एवं 1 सहायक ग्रेड-02 शामिल हैं। जिसमें फरसाबहार से सूर्यकांत वाजपेयी, प्रधान पाठक शा.पू.मा.शा. समडमा; उदयनाथ सिंह, प्रधान पाठक शा.पू.मा.शा. सीमा बारी; कमल साय, भृत्य शा.हाईस्कूल कन्दईबहार, पत्थलगांव से रथोराम यादव, उ.व.शि. शा.पू.मा.शा. बिलडेगी; हीरालाल गोपाल, सहायक ग्रेड-02 वि.खं.शि.अधि. कार्यालय; रामदयाल रात्रे, प्रधान पाठक शा.प्रा.शा. किलकिला; अमर साय पैकरा, प्रधान पाठक शा.प्रा.शा. बईबरपारा; हवल साय नेताम, प्रधान पाठक शा.पू.मा.शा. डाहीडाड और कुनकुरी से विन्सेंट किस्पोट्टा, व्याख्याता शा.उ.मा.वि. कुनकुरी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में हर माह सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों-कर्मचारियों की सूची बनती है। करीब तीन माह पूर्व से ही कागजी कार्रवाई शुरू कर दी जाती है। संबंधित विकासखंड अधिकारियों से सतत संपर्क कर पेंशन स्वीकृत आदेश, अवकाश नकदीकरण समेत सभी प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। ताकि सेवानिवृत्ति के दिन ही आदेश सौंपा जा सके।

प्लेटिना पर 27 लीटर शराब तस्करी करते 54 साल का आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 27 लीटर 300 मिली अवैध शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्लेटिना बाइक पर बोरी और झोले में शराब छिपाकर ग्राम पालीडीह की ओर जा रहा था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि संदिग्ध व्यक्ति प्लेटिना सीजी 14-एमयू -1427 पर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लेकर पालीडीह जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी विनीत कुमार पांडे की टीम तुरंत रवाना हुई। पालीडीह में पुलिस ने बाइक पर बोरी-झोला लटकाए संदिग्ध को घेराबंदी कर रोका। पूछताछ में उसने नाम विश्वनाथ शर्मा, उम्र 54 वर्ष, निवासी ग्राम लुड़ेग, थाना पत्थलगांव बताया। तलाशी में बोरी-झोले से भारी मात्रा में शराब बरामद हुई। इसके पास से अंग्रेजी शराब क्रमशः मैकडॉनल नंबर 1 व्हिस्की की 750 एमएल वाला 02 बॉटल, सिंबा कंपनी की वियर बोतल 650 एमएल वाला 12 नग, मुडोफ कंपनी की व्हिस्की पौवा 180 एमएल वाला 25 नग, गोल्डन गोवा कंपनी की व्हिस्की पौवा 180 एमएल वाला 60 नग था देसी प्लेन मदिरा पौवा 180 एमएल वाला 15 नग इस प्रकार कुल 114 नग में 27 ली 300 एमएल अवैध शराब मिला। पुलिस के द्वारा आरोपी से शराब के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं किया जा सका, जिस पर पुलिस के द्वारा गवाहों के समक्ष सभी अवैध अंग्रेजी व देसी शराब को जप्त करते हुए आरोपी विश्वनाथ शर्मा को हिरासत में लेकर थाना लाया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी विश्वनाथ शर्मा के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त सबूत पाए जाने पर उसके विरुद्ध थाना पत्थलगांव में 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी पत्थलगांव निरीक्षक विनीत कुमार पांडे, प्रधान आरक्षक सुभाष नायक, आरक्षक राजेंद्र रात्रे व विनोद यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मामले में डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह ने बताया कि थाना पत्थलगांव क्षेत्र में अवैध अंग्रेजी शराब व देसी मदिरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है, नशे के सौदागरों के खिलाफ जशपुर पुलिस की कार्यवाही निरंतर जारी है।

बिना हेलमेट ऑफिस आए तो होगी कार्रवाई, ट्रैक्टर के केज व्हील से हाईवे पर रोक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उन्होंने सभी विभागों को समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक के प्रमुख निर्देश

ओवरस्पीड-नशे में ड्राइविंग पर कार्रवाईः बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, नशे में गाड़ी चलाने और ओवरस्पीड पर सख्त चालान। बिना लाइसेंस वाहन चलाने पर रोक।

लर्निंग लाइसेंस कैंपः युवाओं के लिए स्कूल, कॉलेज और हाट-बाजारों में विशेष लर्निंग लाइसेंस शिविर लगाए जाएंगे।

ऑफिस में हेलमेट अनिवार्यः सभी विभाग प्रमुख सुनिश्चित करें कि अधिकारी-कर्मचारी हेलमेट और सीट बेल्ट लगाकर ही ऑफिस आएं। उल्लंघन पर कार्रवाई होगी।

स्कूल बसों के नियमः सभी स्कूल बसों में मिनी फायर एक्सटिंग्विशर और फर्स्ट एड किट अनिवार्य। बस चालकों का पुलिस चरित्र सत्यापन कराना होगा।

ट्रैक्टर केज व्हील पर रोकः ट्रैक्टरों में लगे आयरन केज व्हील सिर्फ खेतों के लिए हैं। इन्हें डामर, सीमेंट सड़क या हाईवे पर चलाना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है। इससे सड़कें टूटती हैं और हादसे बढ़ते हैं।

ब्लैक स्पॉट सुधारः दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों में रंबल स्ट्रिप, सोलर लाइट, रोड मार्किंग, साइन बोर्ड, जेब्रा क्रॉसिंग, रेडियम रिफ्लेक्टर समयबद्ध लगेंगे।

कलेक्टर ने कहा

कि, यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सभी विभागों की साझा जिम्मेदारी है। सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने व्यापारिक प्रतिष्ठानों से ग्राहकों को हेलमेट-सीट बेल्ट के लिए जागरूक करने की अपील की। जिला परिवहन अधिकारी को ओवरलोड वाहनों पर नियमित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार सहित सभी एसडीएम, एसडीओपी और स्वास्थ्य, परिवहन, पुलिस, यातायात, आबकारी विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

दूरस्थ गांवों पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, पेड़ के नीचे लगा शिविर

0 घर घर बच्चों को पिलाई गई जिंदगी की दो बूंद
0 मौसमी बीमारियो से बचाव हेतु बांटी निःशुल्क दवाएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने विशेष अभियान चलाते हुए ओड़गी विकासखंड के दुरस्त क्षेत्र लुल भुण्डा, बैजन पाठ, तेलाई पाट में पल्स पोलियो अभियान के तीसरे दिन घर-घर जाकर सभी बच्चों को पोलियो की ड्राप पिलाई गई। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ राकेश सिंह के नेतृत्व में विकासखंड भैयाथान एवं ओड़गी की टीम के द्वारा अभियान चलाया गया साथ ही तेलाई पाट, बैजन पाट, एवं लुल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर जरुरी दवाइयाँ एवं स्वास्थ्य जागरूकता दी गई। सभी को शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव कराने के लिए प्रेरित किया गया। जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहने वाले बैजनपाठ गांव में महुआ के पेड़ के नीचे अस्थायी स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों का उपचार किया गया। टीम ने बुखार, सर्दी-खांसी, वायरल संक्रमण, त्वचा रोग सहित अन्य सामान्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। दूरस्थ गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर दैनिक फ्रन्ट लाइन में प्रकाशित समाचारों एवं प्रशासनिक स्तर पर मिली जानकारी के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हुआ। जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों ने स्वयं क्षेत्र का दौरा कर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराया तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि वनांचल क्षेत्रों का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक एवं नियमित टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए।

इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पल्स पोलियो अभियान के तहत पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। साथ ही ऐसे बच्चों की भी पहचान की गई जो किसी कारणवश पहले पोलियो की दवा से वंचित रह गए थे। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर उन्हें भी पोलियो ड्रॉप पिलाई, जिससे अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जा सके। टीम ने गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, बच्चों के नियमित टीकाकरण, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी। मौसमी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए ग्रामीणों को साफ-सफाई बनाए रखने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, समय पर उपचार कराने तथा बीमारी के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई। इस दौरान ग्रामीणों को बुखार, सर्दी-खांसी, वायरल संक्रमण, त्वचा रोग सहित अन्य सामान्य बीमारियों की निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम के गांव पहुंचने से ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से लगाए जाने चाहिए, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों के उपचार के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार आगामी दिनों में अन्य दूरस्थ एवं वनांचल गांवों का भी भ्रमण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा, उपचार एवं दवा वितरण का कार्य किया जाएगा।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर मनरेगा कर्मचारी करेंगे हड़ताल, नियमितकरण की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी में है।

इस सम्बंध में बताया गया है कि संघ आंदोलन की पहली कड़ी में समूचे प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपेगा। दो व 3 जुलाई को जनपद व जिलास्तर पर रैली निकाल कर ज्ञापन सौंपने की तैयारी है जबकि 4 जुलाई को प्रदेश स्तर पर राजधानी रायपुर में हड़ताल व रैली निकाली जाएगी। उनकी मांगे है कि समस्त मनरेगा/वी.बी.जी.रामजी. कर्मियों का नियमितीकरण, नियमितीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने तक मानव संसाधन नीति के माध्यम से समस्त मनरेगा/वी.बी.जी. रामजी. कर्मियों को सेवा एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदाय किया जावे।

ग्राम रोजगार सहायकों का पूर्व की भांति मानदेय के स्थान पर संविदा करते हुवे ग्रेड पे निर्धारण किया जावे। छत्तीसगढ़ मनरेगा कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय आहवान पर दिनांक 02 जुलाई, 2026 को ब्लॉक स्तरीय समस्त मनरेगा कर्मियों के चरणबद्ध हड़ताल में जाने की सूचना आज प्रशासन को दी गई है।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षा में पीएम श्री सेजेस रामानुजनगर की दो छात्राओं का हुआ चयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पीएम श्री सेजेस रामानुजनगर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय साधन-सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर विद्यालय, क्षेत्र एवं अभिभावकों को गौरवान्वित किया है। विद्यालय की छात्रा दीक्षा गुप्ता,पिता सुरेश गुप्ता तथा छात्रा सुहानी पैकरा,पिता सुनील कुमार पैकरा का चयन छात्रवृत्ति परीक्षा में हुआ है। यह उपलब्धि उनकी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का उत्कृष्ट परिणाम है।रामानुजनगर के केंद्र प्रभारी गोपाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली द्वारा संचालित की जाती है। इस

योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कक्षा 8वीं के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रतिवर्ष 12 हजार की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। विद्यालय के प्राचार्य पी.सी. सोनी ने चयनित दोनों छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और यह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।उन्होंने माध्यमिक विभाग के प्रधान पाठक लोमेश कुमार सिन्हा की भी सराहना करते हुए कहा कि उनकी सुनियोजित रणनीति, प्रभावी कार्ययोजना एवं समर्पित मार्गदर्शन के कारण विद्यार्थियों ने यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी पीएम विद्यार्थी शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करते रहेंगे।

विधिक जागरूकता शिविर में विद्यार्थियों को मिला कानून, साइबर सुरक्षा और करियर मार्गदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती विनीता वार्नर तथा सचिव सुश्री पायल टोपनों के मार्गदर्शन में इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, औद्योगिक एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, कॉलेज रोड में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को उनके कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी हिमांशु पण्डा ने विद्यार्थियों को सरल एवं व्यवहारिक भाषा में कानून के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रमुख प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से मनी म्यूल के बढ़ते खतरे पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साइबर ठग विद्यार्थियों एवं बेरोजगार युवाओं को लालच देकर उनके बैंक खातों का उपयोग अवैध लेन-देन के लिए करते हैं, जिससे खाताधारक भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने, अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करने तथा अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की अपील की। साथ ही मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए वैध ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन दस्तावेजों की अनिवार्यता तथा हेलमेट पहनकर यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। न्यायाधीश श्री पण्डा ने विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आर्थिक या अन्य किसी कारण से कोई भी नागरिक न्याय से वंचित न रहे, इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता, अधिवक्ता की सुविधा तथा लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय उपलब्ध कराया जाता है।

कार्यक्रम में पैरा लीगल वॉलेंटियर सत्य नारायण ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 की जानकारी देते हुए बताया कि इस नंबर पर संपर्क कर जरूरतमंद व्यक्ति घर बैठे निःशुल्क कानूनी सलाह एवं सहायता प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को कानून, न्यायपालिका एवं प्रशासनिक सेवाओं में उपलब्ध करियर के अवसरों की भी जानकारी दी। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा, कानूनी अधिकारों एवं करियर से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से संतोषजनक उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के चेयरपर्सन अवधेश साहू ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्रमोन्नत या समयमान वेतनमान, विकल्प लेने का आदेश युक्तिसंगत नहीं है : फेडरेशन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी तथा जिलाध्यक्ष संजय त्रिपाठी ने बताया कि छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रचलित क्रमोन्नति योजनाओं का वित्त विभाग के प्रचलित समयमान वेतनमान में समाहित करने संबंधी 9 जून 26 को सामान्य प्रशासन विभाग का आदेश औचित्यपूर्ण नहीं है। उन्होंने बताया कि शासकीय कर्मचारियों के लिए क्रमोन्नति योजना मध्यप्रदेश शासन द्वारा शासकीय सेवा में प्रथम नियमित नियुक्ति से एक ही वेतनमान में 12 एवं 24 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने की स्थिति में क्रमोन्नत वेतनमान स्वीकृत किया गया था। जोकि 19/4/99 से प्रभावशील था।

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग छत्तीसगढ़ के आदेश 24/4/2006 के द्वारा शिक्षक संवर्ग सहायक शिक्षक वेतनमान 4000-6000 ग्रेड पे 2400 को 12 एवं 24 वर्ष में क्रमशः 5000-8000 (ग्रेड पे 4200) तथा 5500-9000 (ग्रेड पे 4300) स्वीकृत हुआ था।साथ ही,शिक्षक 5000-8000 को 5500-9000,व्याख्याता 5500-9000 को 6500-10500 तथा 7500-12500 का क्रमोन्नत वेतनमान स्वीकृत हुआ था।उन्होंने बताया कि वित्त विभाग छत्तीसगढ़ शासन का आदेश 28 अप्रैल 2008 के द्वारा तत्समय प्रभावशील क्रमोन्नति योजना को

संशोधित कर 1 अप्रैल 2006 से समयमान वेतन योजना लागू किया गया था। परिशिष्ट-1 में प्रारंभिक वेतनमान 4000-6000 (5200-20200+2400) का प्रथम उच्चतर वेतनमान 4500-7000 तथा द्वितीय उच्चतर वेतनमान 5000-8000 (9300-34800 +4200) है। लेकिन छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश 24.4.2006 के द्वारा शिक्षक संवर्ग सहायक शिक्षक का वेतनमान 4000-6000 ग्रेड पे 2400 को 12 एवं 24 वर्ष में क्रमशः 5000-8000 (ग्रेड पे 4200) तथा 5500-9000 (ग्रेड पे 4300) स्वीकृत हुआ था। सामान्य प्रशासन विभाग का आदेश 10/3/2017 द्वारा 10 वर्ष एवं 20 वर्ष पश्चात प्रथम एवं द्वितीय क्रमोन्नति स्वीकृत हुआ था। फेडरेशन का प्रश्न है कि यदि सहायक शिक्षक क्रमोन्नति योजना का विकल्प लेता है तो उसे अन्य शासकीय सेवक के समान तृतीय उच्चतर वेतनमान का लाभ नहीं मिलेगा। यदि समयमान योजना का विकल्प लेता है तो उसे स्वीकृत नहीं होगा क्योंकि सहायक शिक्षक को त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान का लाभ स्वीकृत ही नहीं हुआ है। ऐसे स्थिति में समयमान वेतनमान का विकल्प लेना संभव ही नहीं है। जबकि उच्च वर्ग शिक्षक, व्याख्याता, प्राचार्य को समयमान वेतनमान का लाभ पूर्व स्वीकृत है।

उल्लेखनीय है कि समयमान वेतनमान के लाभ हेतु सेवाकाल की गणना सेवा में प्रवेश की तिथि से किया जाता है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन ने सहायक शिक्षक संवर्ग को त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान स्वीकृत होने के पश्चात ही विकल्प लेने अंतिम तिथि में वृद्धि करने का माँग मुख्यमंत्री, मुख्यसचिव,सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एवं सचिव स्कूल शिक्षा से किया है।

आवश्यक है पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को डिजिटली अपडेट रहना : भीमसेन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को भाजपा शहर मंडल के तत्वावधान में यहां जिला भाजपा कार्यालय अटलकुंज में डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म डी एल पी विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भीमसेन अग्रवाल, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तथा मुरली मनोहर सोनी, भाजपा जिला अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रूप में रितेश जायसवाल, मंडल प्रभारी, थलेश्वर साहू, मंडल सह प्रभारी एवं अजय अग्रवाल %अज्जू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन मंडल महामंत्री राजू देवांगन ने किया एवं अंत में महामंत्री नीरज जिंदिया %बंटी% ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को तकनीक आधारित नए माध्यमों से जोड़ना तथा डिजिटल युग में डिजिटल रूप से अपडेट रहने की संभावनाओं पर चर्चा करना रहा। मुख्य अतिथि भीमसेन अग्रवाल ने कहा कि डिजिटल लर्निंग से कार्यकर्त्ताओं को

डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर हुई कार्यशाला

सभी जानकारी तुरंत प्राप्त होगी तथा कार्यकर्त्ताओं कि पहुंच संगठन के सभी गतिविधियों तक होगी एवं संगठन को भी कार्यकर्त्ताओं के द्वारा बूथ स्तर पर किये जा रहे कार्यों कि जानकारी मिल जाएगी इसलिए आज के डिजिटल युग मे पार्टी के समस्त पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्त्ताओं को डिजिटली अपडेट रहने कि आवश्यकता है। जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे अपने-अपने बूथ पर डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा दें बूथ के अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम को प्रशिक्षित करें जिससे उन्हें भी संगठन कि समस्त जानकारी तुरंत प्राप्त हो सके तथा उनके द्वारा किये जा रहे कार्य कि भी जानकारी संगठन को सरल ऐप के माध्यम से तुरंत मिल सके। मंडल प्रभारी रितेश जायसवाल के कहा कि प्रत्येक बूथ मे कम से कम 50 कार्यकर्ताओ को डिजिटल लर्निंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक है। मंडल सह प्रभारी थलेश्वर साहू के द्वारा कहा गया कि डिजिटल युग मे संगठन भी डिजिटल हो गया है इसलिए हम सब कार्यकर्त्ताओं को भी डिजिटल लर्निंग को अपनाना अनिवार्य है जिससे हम भी समय के साथ चल सके।

कार्यक्रम में डॉ एच एन चतुर्वेदी, देवन्ति साहू, बसंत कुशवाहा, प्रमोद तायल, संतोष सोनी, शिवशंकर साहू पौधा, शेखर शाहा, प्रदीप सोनी बल्लु, संजय केजरीवाल,असरफ इराकी, रोशनी सोनी, रगमेन साहू, ज्योति देवांगन, वर्षा साहू, दिलीप साहू, हर्ष गुप्ता, हेमंत बैगा, उगेन्द्र राजवाड़े, भूपेंद्र राजवाड़े, करमातो राजवाड़े, बजरंग राजवाड़े, शानू साहू, दुलार साय सिंह, गौरीशंकर साहू, महेंद्र साहू, देवचंद रजक एवं अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। इस दौरान नगर पालिका के नवनियुक्त एल्डरमेन बसंत कुशवाहा, संतोष सोनी, संजय केजरीवाल, शिवशंकर साहू एवं वर्षा साहू तथा संस्कार अग्रवाल को रायपुर युवा मोर्चा का संभाग सह प्रभारी बनाये जाने पर शहर मंडल के द्वारा साल श्रीफल से सम्मान किया गया।

सरपंच सचिव पर मनमानी का आरोप, जिला प्रशासन से शिकायत

सड़क निर्माण में धांधली, जांच व कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम पंचायत नमदगिरी के सरपंच व सचिव के द्वारा मनमानी ढंग से फर्जी प्रस्ताव बनाकर राशि आहरण करने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है।इसकी शिकायत जिला प्रशासन से की गई है।शिकायत में कहा गया है कि जनपद पंचायत सूरजपुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत नमदगिरी के नावापारा से अटल चौक तक सी0सी0 रोड़ में अमानक के अनुरूप सामाग्री का उपयोग किया गया है. जिसे 15 दिवस में ही उक्त सड़क पर दरार एवं गिट्टी ऊखड रहा है, जिससे स्पष्ट है उक्त सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार किया गया है और शासन के पैसे का दुरूपयोग किया गया, जिसकी जांच तत्काल कराते हुए दोषियों के विरूद्ध उचित नियमानुसार कार्यवाही किया जाये।यह कि उक्त सी0सी0 सडक निर्माण कार्य में अमानक के अनुरूप सामाग्री का उपयोग कर उक्त सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य गया है जिसकी जांच कराई जाये। ग्राम पंचायत का फर्जी प्रस्ताव बनाकर पैसा का आहरण किया गया है जिसकी जांच कराया जाये।सरपंच द्वारा मूलभूत की राशि का जन कल्याण कार्य में ना करते हुए अपने निजी कार्य में उक्त राशि का उपयोग किया जा रहा है, जिसकी जांच कराया जाये। इस के अतिरिक्त वर्तमान सरपंच विफल सिंह एवं पंचायत सचिव सुखलाल राजवाड़े के द्वारा विगत् दिनांक 24.06.2026 को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया था। जिसका पूरा प्रचार-प्रसार किया गया था। जिसमें ग्राम के विभिन्न विकास के बारे में ग्राम वासियों को जानकारी दिया जाना था। जिसमें ग्रामवासियों के द्वारा विगत् कुछ दिनों से हुए ग्राम पंचायत में निर्माण कार्य के बारे में जानकारी चाही गई तो पंचायत सचिव के द्वारा सवालों का कोई भी जवाब नहीं दिया गया। उनके द्वारा यह बोला गया की मैं सरपंच से पूछ कर बता पाऊंगा। सरपंच विफल सिंह के द्वारा ग्राम के उपसरपंच, पंच जिनकी कुछ संख्या-15 है। उन सभी से कोई भी राय सलाह, आय-व्यय की जानकारी, बैठक पंजी, कार्यवाही पंजी का मांगे जाने पर भी आवलोकन नहीं कराया जाता है। जिससे स्पष्ट है उनके द्वारा सभी कार्य फर्जी ढंग से कराये जा रहें है एवं फर्जी बिल लगाकर शासकीय राशि का आहरण किया जा रहा है। जिससे शासन की बड़ी धनराशि का दुरूपयोग हो रहा है। इसकी जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है।

वीबी जीरामजी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में वीबी जी राम जी का प्रचार प्रसार किया जा रहा है इसी कड़ी में जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के सभा कक्ष में जनपद सीईओ श्री रणवीर साय के नेतृत्व में विकसित भारत ग्राम योजना वीबी जीरामजी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान जानकारी दी गई कि अधिनियम 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में एक साथ लागू होगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक पंजीकृत जॉब कार्डधारी परिवार को प्रतिवर्ष 125 दिवस के रोजगार की गारंटी दी जाएगी।

कार्यक्रम अधिकारी श्री अभिषेक द्विवेदी द्वारा वीबी जी राम जी की चार मुख्य श्रेणियों और उनके कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जल संरक्षण एवं जल संवर्धन हेतु तालाब गहरीकरण, सोक पिट, चेक डैम निर्माण,आधारभूत संरचना विकास अंतर्गत सड़क, पुलिया, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन निर्माण,आजीविका संवर्धन के लिए पशुपालन, मत्स्य पालन, स्व-सहायता समूह को बढ़ावा देने तथा आपदा प्रबंधन सहित विस्तृत जानकारी दी गई।

इस दौरान विकसित ग्राम पंचायत की योजना कैसे बनाएं और कार्यों की प्राथमिकता कैसे तय करें, इस पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्य योजना के अनुसार ग्राम विकास हेतु कार्यों का प्रस्ताव भेजने की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। श्रमिक हित के लिए समय पर रोजगार उपलब्ध न होने पर बेरोजगारी भत्ता तथा मजदूरी भुगतान में विलंब होने पर मुआवजा दिए जाने के प्रावधान की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में सहायक प्रोग्रामर, बी.पी.आर.सी., समस्त तकनीकी सहायक , शाखा प्रभारी, सचिव एवं समस्त रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर 01 जुलाई 2026

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

नक्सलवाद समाप्त करने में मिली सफलता, पुनर्वासित नक्सलियों को दिए जा रहे आवास

ढाई वर्षों में सरगुजा जिले में 2387 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत हुये

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव के समापन समारोह में सरगुजा पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा पिछले ढाई वर्षों में सरगुजा जिले में 2387 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। लोगों के अच्छे घर का सपना आज पूरा हो रहा है, 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रतिदिन 1600 आवास बनकर तैयार हो रहे हैं। आमजनों की समस्याओं के निदान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शुरू किया गया है, इसमें समस्याओं का निपटारा भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने बस्तर के परिप्रेक्ष्य में कहा कि, यह क्षेत्र भी प्राकृतिक दृष्टि से बहुत सुंदर है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व गृहमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और जवानों के अदम्य साहस से नक्सलवाद समाप्त करने में सफलता मिली है। पुनर्वासित नक्सलियों को भी आवास दिए जा रहे हैं। पीवीटीजी समुदायों को अलग से आवास दिए जा रहे हैं। किसानों के हित में 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल धान का कीमत दे रहे हैं, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी हो रही है। 13 लाख किसानों को दो साल का बकाया बोनस प्रदान किया गया है। महतारी वंदन योजना के तहत एक हजार रुपये प्रतिमाह महिलाओं के खाते में अंतरित हो रहा है। रामलला दर्शन योजना के तहत 49 हजार से ज्यादा लोगों को दर्शन कराया गया है। तीर्थयात्रा दर्शन योजना के लिये देश में 19 जगह चयनित किये गये हैं, बुजुर्ग जहां जाना चाहेंगे वहां भेजेंगे। विभिन्न विभागों में युवाओं को नौकरी दिलाने वैकेंसी निकल रही है।

समापन समारोह में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, विधायक प्रतापपुर शकुंतला पोर्ते, विधायक सामरी उद्देशवरी पैंकरा, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, अध्यक्ष पुरातात्विक डॉ. एम. कालीमुथु, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जनपद पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, जिला पंचायत सदस्य राईमुनिया कुरियाम एवं राधा रवि, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, सरपंच प्रदीप सिंह, नंदराम के अलावा पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

‘राम वाटिका’ में किया रुद्राक्ष के पौधे का रोपण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा प्रवास के दौरान विकासखंड उदयपुर स्थित रामगढ़ के फॉरेस्ट रेस्ट हाउस ‘राम वाटिका’ में स्थापित भगवान श्री राम की प्रतिमा को नमन करके आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की, इसके साथ ही उन्होंने ‘एक पेड़ मां के नाम 3.0’ अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री ने ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान को मातृशक्ति एवं प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा आत्मीय जुड़ाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मां के नाम पर लगाया गया एक पौधा न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित भविष्य की सुदृढ़ आधारशिला भी है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लें, ताकि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करते हुए प्रकृति के संतुलन को बनाए रखा जा सके। भगवान श्री राम की प्रतिमा को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम का जीवन मर्यादा, सत्य, त्याग एवं कर्तव्यपरायणता का अनुपम आदर्श है, जो युगों-युगों से समस्त मानवता का मार्गदर्शन करता आ रहा है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से प्रभु श्री राम द्वारा प्रशस्त आदर्श पथ पर चलते हुए सेवा, सद्भाव एवं समर्पण के भाव से समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में सहभागी बनने का आह्वान किया।

भक्तिमय गीत-संगीत की प्रस्तुतियों से राममय हुआ वातावरण

दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का समापन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर रहा। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों ने लोकनृत्य, नाटक व गीत-संगीत की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। पूरे वातावरण में उत्साह, भक्ति और उल्लास की मनोहारी छटा बिखरी रही। कार्यक्रम में श्री राम के भक्तिमय गीत-संगीत की प्रस्तुतियों से वातावरण राममय हुआ। जांजगीर चाम्पा जिले के शांति प्रतिमा डांस ग्रुप की महिषासुर मर्दिनी नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति ने खूब तालियां बटोरीं। कस्तूरबा गांधी विद्यालय लखनपुर की छात्राओं ने मेघदूतम पर आधारित नृत्य नाटिका की मनमोहक प्रस्तुत दी। साई म्यूजिकल पारम्परिक नृत्य समूह ने हनुमानजी की लीला, रामभजन एवं शबरी प्रसंग पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। प्रकाश रसीला ने लोक गीत एवं वाद्य यंत्र की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में स्टार ग्रुप ने सामूहिक नृत्य, शास्वती बनर्जी ने नृत्य, जागृति म्युजिकल ग्रुप (विस्वा) ने लोक संगीत, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय ने बैंड, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय ने राजस्थानी नृत्य, शा.उ.मा. विद्यालय सलका उदयपुर ने सरगुजिहा नृत्य, कन्या छात्रावास उदयपुर ने आदिवासी नृत्य, सेजेस उदयपुर द्वारा सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिरमिटी उदयपुर ने सामूहिक नृत्य, वियन्नी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय झिरमिटी उदयपुर ने सामूहिक नृत्य, बृजेश शर्मा ने भजन, संदीप गोस्वामी ने लोक गीत भजन, लालसाय सरगुजिहा पार्टी ने छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, बीजीएम म्युजिकल ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। देर शाम तक चले इन कार्यक्रमों ने दर्शकों को उत्सव स्थल पर बांधे रखा।

शहर के करीब घनी आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचा दंतैल

कई ग्रामीणों के घर और बाउंड्री की दीवार को क्षतिग्रस्त किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के नजदीक और घनी आबादी वाले क्षेत्र खैरबार सहित आस-पास के इलाके में 29 जून की रात को एक दंतैल हाथी के अचानक आ जाने से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है। दंतैल हाथी के द्वारा कुछ ग्रामीणों के मकानों और बाउंड्री की दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया है, वहीं खेतों और बाड़ियों में लगी फसलों, केले के पेड़ों को भी रौंद दिया। घटना से ग्रामीणों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। बारिश के मौसम में घर को नुकसान पहुंचाने से ग्रामीण भयभीत हैं।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की रात करीब 8-9 बजे के बीच दंतैल मछिन्दरपारा क्षेत्र में पहुंच गया। रात के अंधेरे में हाथी को आबादी के बीच देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कई लोग घरों से बाहर निकल आए और टॉर्च की रोशनी में हाथी की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार के जनहानि की सूचना नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि जिस समय दंतैल गांव के करीब पहुंचा, उस समय घंटों बिजली भी गोल रही, जिससे और भी दहशत में लोग थे।

घरों की दीवार और बाउंड्री को तोड़ा

ग्रामीणों के अनुसार, मछिन्दरपारा से गुजरते समय हाथी ने रास्ते में आने वाली कुछ घरों की दीवार और बाउंड्री की दीवार को तोड़ दिया। इसके अलावा खेतों और बाड़ियों में लगी फसलों के साथ केले के पेड़ों को भी नुकसान पहुंचाया है। हाथी के रिहायशी क्षेत्र में पहुंचने से लोगों में पूरी रात भय का माहौल बना रहा।

सतर्क रहें, अनावश्यक घरों से नहीं निकलें

हाथी की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है, और बांकी डैम, कोरिमा और आसपास के गांवों के लोगों को सतर्क रहने तथा रात में अनावश्यक घरों से बाहर नहीं निकलने कहा है। आपातकालीन स्थिति में वन अमले को सूचित करने कहा गया है। मुनादी के माध्यम से भी ग्रामीणों को वन विभाग ने सतर्क किया है। वन अमला दंतैल के गतिविधियों पर नजर रख रहा है।

साइबर ठगी के मामले में प्रयुक्त म्यूल एकाउंट धारक गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना गांधीनगर एवं साइबर सेल पुलिस टीम ने साइबर ठगी के मामले में म्यूल खाताधारक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खाता में गेमिंग, धोखाधड़ी एवं अपराध से संबंधित 2430 रुपये प्राप्त होने एवं एक से अधिक ट्रांजेक्शन पाये जाने पर यह कार्रवाई की गई। जानकारी के मुताबिक, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त सूची अनुसार फर्जी मोबाइल नम्बरों को जारी करने वाले पॉइंट ऑफ़ सेल्स (पीओएस) एवं म्यूल खाता धारकों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई करने के सम्बन्ध में पुलिस मुख्यालय रायपुर से दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसी क्रम में दस्तावेज के अवलोकन पर म्यूल एकाउंट के मामले में बैंक खाता धारक मोहम्मद सम्मी पिता फकरुद्दीन निवासी ग्राम बेलखरिखा, थाना दरिमा के नाम से संचालित म्यूल खाते के विरुद्ध, पुलिस पोर्टल मे विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन शिकायत दर्ज होना एवं उक्त खाते में 2430 रुपये छलपूर्वक प्राप्त करने हेतु अपने सीम, बैंक खाता का उपयोग षड्यंत्र पूर्वक करना पाया गया, जिस पर थाना गांधीनगर में धारा 318 (4), 317(4), 111 बी.एन.एस. का अपराध दर्ज करके पुलिस ने विवेचना में लिया था।

दौरान विवेचना पुलिस टीम ने मामले के आरोपी मोहम्मद सम्मी 19 वर्ष, निवासी ग्राम बेलखरीखा से घटना के सम्बन्ध में पूछताछ किया तो उसने आरोपी अनुज सिंह के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। वह बताया कि अनुज सिंह से खाता बिक्री करने के एवज में कमीशन प्राप्त किया है। आरोपी मोहम्मद सम्मी के खाता में ठगी की राशि का एक से अधिक बार ट्रांजेक्शन होने तथा अनुज सिंह के साथ मिलकर गेमिंग तथा फ्रॉड के रुपये को प्राप्त करने हेतु खाता की खरीद-बिक्री पाये जाने पर आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया है। प्रकरण में आरोपी अनुज सिंह को पूर्व में गिरफ़्तार करके न्यायालय में पेश किया गया था। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक सुभाष ठाकुर, आरक्षक वीरेंद्र पैकरा, आनंद प्रकाश केरकेट्टा, जानकी राजवाड़े, घनश्याम देवांगन सक्रिय रहे।

200 कृषकों को मक्का, अरहर एवं उड़द के बीजों का वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खरीफ मौसम में किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य से मंगलवार को वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी (एसएडीओ) कार्यालय, अंबिकापुर में बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शासन की विभिन्न कृषि प्रोत्साहन योजनांतर्गत लगभग 200 कृषकों को खरीफ फसलों के उन्नत एवं प्रमाणित बीजों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मक्का के 6.00 क्विंटल, अरहर के 7.52 क्विंटल तथा उड़द के 4.00 क्विंटल बीज किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराये गये। बीज वितरण दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने प्रत्येक कृषक को उनकी आवश्यकता अनुसार बीज उपलब्ध कराते हुए समय पर बुआई करने की सलाह दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कृषि स्थायी समिति की सभापति अध्यक्ष दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की शासन लगातार किसानों के हित में अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीजों का उपयोग करने से फसलों की उत्पादकता बढ़ती है तथा किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने किसानों से अपील की, वे आधुनिक कृषि तकनीकों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, बीजोपचार तथा वैज्ञानिक पद्धति से खेती कर अधिक उत्पादन प्राप्त करें।

सर्पदंश से पिता-पुत्री सहित 3 की मौत, बढ़ने लगे सर्पदंश के मामल

चार घंटे झाड़फूंक कराने के बाद पहुंचे थे अस्पताल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गर्मी चरम पर है, उमस भरी रातों में जहां लोगों की नींद उड़ गई है, वहीं बीते एक सप्ताह में जिले में सर्पदंश के आधा दर्जन से अधिक मौत के मामले सामने आ चुके हैं। एक हृदयविदारक घटना बलरामपुर जिला से सामने आया है, यहां करैत के दंश से पिता और उनकी 4 साल की बेटी की मौत हो गई। एक अन्य घटना में सरगुजा के मैनपाट की 13 साल की किशोरी दम तोड़ दी। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम डम्भाटोली, अधारी निवासी शनिचरा पैकरा पिता स्व. सहला पैकरा 34 वर्ष, सोमवार की रात को अपनी पत्नि और दो बच्चों के साथ घर में जमीन पर बिस्तर लगाकर सोया था। रात करीब 12 बजे शनिचरा और उसकी 4 साल की बेटी महंती को करैत डस लिया। इस बीच च्ची जोर-जोर से रोने लगी तो सो रहे परिवार के सदस्यों की नींद खुली। शनिचरा ने अपनी पत्नि को कुछ काट लेने की बात कही, और बिस्तर में सो रहे एक अन्य बच्चे को हटाकर बिस्तर को देखे तो करैत सांप था। दोनों पिता-पुत्री का झाड़फूंक गांव में अलसुबह करीब 4 बजे तक चला, और स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। तबियत बिगड़ते देख डॉयल 112 से स्वजन दोनों को शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां मासूम बच्ची महंती की मौत हो गई। बच्ची के पिता शनिचरा को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह उसकी भी मौत हो गई। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम शंकरगढ़ थाना पुलिस ने कराया है, वहीं अंबिकापुर पुलिस ने पिता के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। पिता-पुत्री की मौत से स्वजन और गांव में शोक का माहौल है।

किशोरी को सिर और हाथ में डसा करैत, मौत

एक अन्य घटना में सरगुजा जिले के कमलेश्वरपुर, मैनपाट थाना अंतर्गत ग्राम परपटिया निवासी राजेन्द्र एक्का की 13 साल की बेटी को करैत सांप डस लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, मृतिका आसमनि एक्का लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सकरिया, बेदोकोटा में रहने वाले अपने मामा रंजीत किण्डो के यहां रहकर पढ़ती थी। सोमवार की रात को आसमनि अपनी ममेरी बहन स्मृति किण्डो के साथ जमीन में चटाई बिछाकर सो रही थी। रात करीब 9.30 बजे दोनों बहन सोये थे, इसी दौरान आसमनि को सिर में कुछ चुभने का एहसास हुआ और वह बायें हाथ को सिर पर फेरी, इस दौरान हाथ में भी करैत सांप डस लिया। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर खाना खाने के बाद आपस में बात कर रहे मामा-मामी पहुंचे तो करैत सांप था। सांप को अधमरा करके वे आसमनि एक्का को कुन्नी अस्पताल ले गये। यहां से रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में भर्ती कराये थे, यहां देर रात 2.30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

बारिश के मौसम में सावधानी जरूरी-बढ़ते सर्पदंश के मामलों को लेकर चिकित्सकों का कहना है कि, गर्मी और उमस में सांप बिल से निकलकर ठंडी और अंधेरी जगह तलाशते हैं, ऐसे में पहले तो जमीन पर बिस्तर लगाकर सोने से बचना चाहिये। बिस्तर, कपड़ों का ढेर, जूते-चप्पल उपयोग में लाने से पहले अच्छी तरह झाड़ लें। सोते समय मच्छरदानी का निचला हिस्सा गद्दे के नीचे दबा दें, ताकि सांप अंदर न घुस सके। घर के चारों तरफ घास, कचरा, लकड़ी का ढेर न रहे। यहां सांप पनाह ले सकते हैं। अंधेरे में टॉर्च लेकर जाएं। सर्पदंश की स्थिति में मरीज को नजदीकी अस्पताल ले जाएं। झाड़-फूंक, कराने में समय न गवायें।

पर्यटन की दृष्टि से रामगढ़ के वैश्विक महत्व पर अजय चतुर्वेदी ने शोध पत्र का किया वाचन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आषाढ़स्य प्रथम दिवसे के अवसर पर सरगुजा जिले के ऐतिहासिक व सुरम्य स्थल रामगढ़ में आयोजित दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव 2026 के दौरान राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। अतिथियों ने रामगढ़ की ऐतिहासिक विरासत को नमन करते हुए इस शोध संगोष्ठी को क्षेत्र के विकास और इसे वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। आस्था, संस्कृति, नाट्य परंपरा और पर्यटन के इस अनूठे समागम में विद्वानों, शोधकर्ताओं और गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। इस अवसर पर राज्यपाल पुरस्कृत, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी ने ‘पर्यटन की दृष्टि से रामगढ़ का वैश्विक महत्व और संरक्षण’ विषय पर महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक शोध पत्र का वाचन किया, जिसे उपस्थित प्रबुद्धजनों और अतिथियों ने सराहा। शोध पत्र का वाचन करते हुए अजय चतुर्वेदी ने रामगढ़ पर्वत के संरक्षण और संवर्धन के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि रामगढ़ केवल एक पहाड़ी नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, पुरातात्विक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के साथ-साथ अद्वितीय प्राकृतिक महत्व भी रखता है। उन्होंने कहा, यदि हमें रामगढ़ के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक अस्तित्व को हमेशा के लिए जीवंत बनाए रखना है, तो यहां की जो अनमोल प्राकृतिक देन, वनस्पति, जीव-जंतु और प्राकृतिक वातावरण को हर हाल में सुरक्षित रखना होगा। रामगढ़ का संवर्धन करके ही हम इसे वैश्विक पटल पर एक बड़े ईको-टूरिज्म और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

संस्कृति मंत्री ने शोध कार्य को सराहा, किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने जिला पुरातत्व संघ सूरजपुर के सदस्य अजय कुमार चतुर्वेदी की साहित्यिक साधना और इस महत्वपूर्ण शोध कार्य की सराहना करते हुए प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया। महोत्सव के दौरान विभिन्न सत्रों में रामगढ़ के गौरवशाली इतिहास, महाकवि कालिदास की नाट्यस्थली और मेघदूतम की रचना भूमि के वैश्विक महत्व पर गंभीर मंथन किया गया। वक्ताओं ने रामगढ़ को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने के संकल्प को दोहराया। इस मौके पर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, पार्षद आलोक दुबे सहित अन्य उपस्थित रहे।

वर्षा ऋतु में पशुओं में संक्रामक रोगों का बढ़ जाता है खतरा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वर्षा ऋतु में अधिक नमी एवं जलभराव के कारण पशुओं में संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में पशु शेड, आवास गीला रहने से वायरस, बैक्टीरिया, मच्छर एवं मक्खियों का प्रकोप बढ़ता है, जिससे पशुधन के स्वास्थ्य एवं उत्पादन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में पशुपालकों को इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। डॉ. सीके मिश्रा, अतिरिक्त उपसंचालक पशुपालन विभाग ने पशुपालकों को सलाह दी है कि पशु शेड के फर्श को हमेशा सूखा रखें, पानी का जमाव न होने दें। शेड में पर्याप्त संख्या में खिड़कियां एवं दरवाजे होने चाहिए, ताकि हवा का समुचित आवागमन बना रहे। पशु शेड के आसपास की नालियों को नियमित रूप से साफ रखें, जिससे गंदा पानी, गोबर एवं मूत्र का जमाव न हो। जलभराव एवं गंदगी से वायरस, बैक्टीरिया तथा मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ता है, जिससे पशुओं में रोग फैलने की संभावना अधिक रहती है। पशुओं को हमेशा साफ एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। शेड के पास एक पात्र या टब में स्वच्छ पानी भरकर रखें, ताकि पशु बाहर निकलने पर बरसात के गड्ढों में भरे दूषित

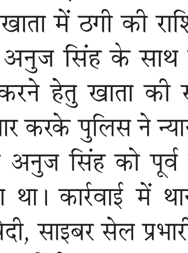

पानी को न पिएं। दूषित पानी पशुओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। वर्षा ऋतु में पशुओं को संतुलित आहार देना आवश्यक है। इस मौसम में हरा चारा आसानी से उपलब्ध रहता है, जो पशुओं को आवश्यक मिनरल्स एवं विटामिन प्रदान करता है। साथ ही हरा चारा पाचन क्रिया को भी सुगम बनाता है।

बीमारियों से बचाव के लिये टीकाकरण जरूरी-डॉ. सीके मिश्रा ने पशु पालकों को सलाह दी है कि, वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व पशुओं को कृमिनाशक दवा अवश्य दें, ताकि पेट में पल रहे विभिन्न प्रकार के कीड़ों से मुक्ति मिल सके। कृमिनाशन के बाद किया गया टीकाकरण अधिक प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा पशुओं का अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएं। इस मौसम में गलघोटू, लंगड़ा बुखार (ब्लैक क्वार्टर), एंटेरोटॉक्सेमिया, पीपीआर, स्वाइन फीवर तथा खुरपका-मुंहपका जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने की संभावना अधिक रहती है। इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम टीकाकरण ही है। पशुधन विकास विभाग में इन रोगों के टीके उपलब्ध हैं, विभाग के द्वारा इन्हें निःशुल्क लगाया जाता है। उन्होंने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण अवश्य करवाएं, ताकि पशु स्वस्थ रहें, उनकी उत्पादन क्षमता प्रभावित न हो तथा अनावश्यक उपचार व्यय से बचा जा सके।

वर्षा के दौरान रखें ये सावधानियां-वर्षा के दौरान पशुओं को खुले में नहीं रखें, बल्कि सुरक्षित शेड में रखें। भारी वर्षा के समय पशुओं से खेत जोतने अथवा अन्य श्रम कार्य न कराएं। मौसम साफ होने पर ही कृषि कार्यों में उनका उपयोग करें। पशु शेड में समय-समय पर रोगाणुनाशक दवाओं का छिड़काव करें। साथ ही शाम के समय गोबर के कंडे एवं नीम की पत्तियों का धुआं करने से मच्छर एवं मक्खियों की संख्या कम की जा सकती है। इन छोटे-छोटे प्रयासों एवं जागरूकता से पशुपालक वर्षा ऋतु में अपने पशुधन को बीमारियों से सुरक्षित रख सकते हैं तथा उनकी उत्पादकता बनाए रख सकते हैं। पशुपालकों से इन सावधानियों को अपनाकर अपने पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अतिरिक्त उपसंचालक पशुपालन विभाग ने आग्रह किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर